रविवार, 10 अगस्त 2025

मौसम

तापमान	27 – 32
आर्द्रता	91%
सूर्योदयः 05:12	सूर्यास्तः 18:11

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

भारत धमकियों के आगे नहीं झुकेगा : पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू -पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, भाद्रपद कृष्णपक्ष प्रतिपदा, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 4.00 रुपये

सुविचार : जिस्म दाग़ा जा सकता है मगर रूह नहीं दाग़ी जा सकती।

आरजी कर मामला : पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर किया लाठीचार्ज

आरजी कर पीड़िता के माता-पिता को भी लगी चोटें, मां अस्पताल में भर्ती

- भाजपा नेताओं-कार्यकर्ताओं सहित अनेक प्रदर्शनकारी घायल

कोलकाता, समाज्ञा : आरजी कर अस्पताल में एक महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और फिर उसकी हत्या की घटना की पहली बरसी पर शनिवार को राज्य सचिवालय नवान्न तक मार्च के दौरान मध्य कोलकाता के पार्क स्ट्रीट चौराहे पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। इसमें अनेक प्रदर्शनकारी घायल हो गए। रानी राश्मोनी रोड सभा स्थल से आगे न बढ़ने की पुलिस की चेतावनी को नजरअंदाज करने के बाद विद्यासागर सेतु की ओर बढ़ने की कोशिश में प्रदर्शनकारियों ने अवरोधक को पार करने की कोशिश की जिसके बाद तनाव फैल गया। पुलिस ने राज्य सचिवालय पहुंचने से पहले ही प्रर्दशनकारियों को रोक लिया। इस दौरान पुलिस के साथ प्रदर्शनकारियों की झड़प भी हुई। इसके बाद, प्रदर्शनकारी विरोध-प्रदर्शन करने लगे। मृत डॉक्टर के माता-पिता ने लोगों से नवान्न तक मार्च में शामिल होने की अपील की थी। इसमें भाजपा सहित अन्य विरोधी दलों के नेता-कार्यकर्ता भी पार्टी के झंडे लिए बिना शामिल हुए थे। पुलिस ने रास्ते में कई जगहों पर लोगों के वाहनों को रोककर उन्हें सभा स्थल तक पहुंचने से रोकने की कोशिश की। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने भाजपा के अन्य विधायकों के साथ पार्क स्ट्रीट जेएल नेहरू रोड क्रासिंग पर धरना दिया। शुभेंदु का दावा है कि पुलिस कार्रवाई में 100 से अधिक भाजपा नेता व कार्यकर्ता घायल हुए हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों को अवरोधकों को तोड़ने और उसे पार करने के लिए भारी औजारों का इस्तेमाल करते भी देखा गया। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए विभिन्न स्थानों पर भारी पुलिस बल, त्वरित प्रतिक्रिया बल के जवान और यहां तक कि वाटर कैनन तैनात किए गए थे। लाठीचार्ज के दौरान आरजी कर पीड़िता के माता-पिता भी घायल हो गए। इस दौरान, पीड़िता की मां की शंख से बनी पारंपरिक चूड़ियां टूट गईं और उनके सिर पर चोट भी लगी। वहीं, पीड़िता की मां धरना देने के दौरान बीमार हो गईं। कथित तौर पर जब उन्होंने पुलिस से पानी मांगा, तो उन्होंने नहीं दिया। बाद में, वहां मौजूद अन्य प्रदर्शनकारियों ने पानी लाया। बाद में, उन्हें अस्पताल ले जाया गया। शुभेंदु ने अस्पताल में उनसे मुलाकात भी की।

ममता को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी : शुभेंदु अधिकारी

शुभेंदु अधिकारी ने चेताया कि ममता बनर्जी को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह विरोध आगे और भी बड़ा होने वाला है। लोगों की भीड़ देखकर ममता बनर्जी डर गई हैं।

'पुलिस ने बिना उकसावे के मारपीट की, चूड़ियां तोड़ दीं', पीड़िता की मां का आरोप

आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में दुष्कर्म व हत्या की पीड़िता डड़क्टर की मां ने शनिवार को आरोप लगाया कि महिला पुलिस कर्मियों ने बिना उकसावे के उनके साथ धक्का-मुक्की की। इस दौरान शंख से बनी पारंपरिक चूड़ियां टूट गईं और उनके सिर पर चोट भी लगी। पीड़िता की मां ने कहा कि हमें इस तरह क्यों रोका जा रहा है? हम बस नवान्न पहुंचकर अपनी बेटी के लिए न्याय मांगना चाहते हैं। रैली में शामिल लोगों ने यह कहते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की कि वह महिलाओं की सुरक्षा करने में नाकाम रही हैं। वहीं, पीड़िता के पिता ने भी आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके परिवार को डोरिना क्रॉसिंग तक पहुंचने से रोका, जहां से उन्हें मार्च में शामिल होना था, जबकि कोर्ट ने शांतिपूर्ण रैली की अनुमति दी थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्कूली छात्राओं और ब्रह्माकुमारी सदस्यों के साथ रक्षाबंधन मनाया

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया, जहां स्कूली बच्चों और आध्यात्मिक संगठन 'ब्रह्माकुमारी' की सदस्यों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। यह त्योहार भाई-बहन के पारंपरिक बंधन का उत्सव है। मोदी ने इस उत्सव की एक वीडियो क्लिप साझा की, जिसमें युवा छात्राओं के एक समूह ने अपनी खुशी और भावनाओं को व्यक्त किया है। एक छात्रा ने उन्हें योद्धा और रक्षक कहकर सराहा, तो कुछ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र किया। एक स्कूली छात्रा ने कहा कि वह मोदी अंकल के लिए मोर वाली राखी लाई है, जबकि एक अन्य ने उनकी तरह प्रधानमंत्री बनने की इच्छा जताई। प्रधानमंत्री ने एक छात्रा की प्रशंसा की, जिसने कई सरकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्हें एक कविता में शामिल किया था। मोदी ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए 'एक्स' पर एक संदेश भी पोस्ट किया।

ऑपरेशन सिंदूर पर वायु सेना प्रमुख का बड़ा खुलासा

- 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाक के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराया

बेंगलुरु : एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शनिवार को कहा कि भारतीय वायुसेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराने की पुष्टि की है। उन्होंने इसे भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बताया। तीन महीने पहले किए गए भारतीय हवाई हमलों के दौरान पाकिस्तान को हुए नुकसान पर यह पहली आधिकारिक टिप्पणी है। कई विपक्षी नेता 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत और पाकिस्तान दोनों को हुए नुकसान का खुलासा करने में देरी को लेकर सरकार पर हमला कर रहे हैं। यह अभियान अप्रैल में पहलगाम में आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद सात मई से चलाया गया था। सिंह ने यहां एयर चीफ मार्शल एल.एम. कात्रे स्मृति व्याख्यान के 16वें संस्करण के दौरान सीमा के निकट और पाकिस्तान के भीतर आतंकवादी मुख्यालयों और अन्य आतंकी ठिकानों पर सात मई को किए गए हमलों का विस्तृत ब्यौरा भी प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, हमारे पास कम से कम पांच लड़ाकू विमानों को मार गिराए जाने की पुष्ट जानकारी है और एक बड़ा विमान है, जो या तो विमान हो सकता है या फिर एडब्ल्यूसी (एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम), जिसे लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया। सिंह ने कहा, यह वास्तव में सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है, जो हमने हासिल किया है। उन्होंने यह भी कहा कि उस एडब्ल्यूसी हैंगर में कम से कम एक एडब्ल्यूसी के होने के संकेत मिले हैं, तथा कुछ एफ-16 को भी नुकसान पहुंचा जो वहां रखरखाव के लिए थे। सिंह ने कहा कि इस ऑपरेशन के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी), ड्रोन और उनकी कुछ मिसाइलें भी भारतीय क्षेत्र में गिरीं, लेकिन इनसे भारतीय प्रतिष्ठानों को कोई नुकसान नहीं हुआ। वायुसेना प्रमुख ने कहा, यदि मैं आपसे कुछ कहूंगा तो लोगों को उस पर विश्वास करना होगा, क्योंकि मैं वहां था इसलिए मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हम पर कोई प्रतिबंध नहीं था, दोहराता हूं कि कोई भी पाबंदी नहीं थी। हमें योजना बनाने और उसे लागू करने की पूरी आज़ादी दी गई थी। मैं कहना चाहता हूं कि हमारे हमले सटीक और सोच-समझकर किए गए थे क्योंकि, हम इस मामले में परिपक्वता दिखाना चाहते थे। उन्होंने कहा, उस रात हमारा मनोबल बेहद ऊंचा था। मैंने कई लोगों से सुना...मेरे कुछ करीबी लोगों ने भी कहा 'और मरना था'। एयर चीफ मार्शल के अनुसार, एस-400 वायु रक्षा प्रणाली पासा पलटने वाली साबित हुई है।

भारत का रक्षा उत्पादन 2024-25 में 1.51 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर

नयी दिल्ली : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 2024-25 में 1,50,590 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। यह उपलब्धि पिछले वित्त वर्ष के 1.27 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन की तुलना में 18 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि को दर्शाती है। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ''वित्त वर्ष 2024-25 में देश का वार्षिक रक्षा उत्पादन बढ़कर 1,50,590 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

त्योहारों में वापसी यात्रा टिकटों पर रेलवे की 20% छूट

नयी दिल्ली : रेल मंत्रालय ने शनिवार को एक योजना की घोषणा की, जिसके तहत एक ही ट्रेन से 13-26 अक्टूबर के बीच यात्रा और 17 नवंबर से एक दिसंबर तक वापसी के लिए बुक किए गए टिकटों पर 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह छूट 14 अगस्त से बुक किए गए टिकटों पर लागू होगी और यह छूट राजधानी, शताब्दी, दुरंतो जैसी ट्रेन पर लागू नहीं होगी, जिसमें किराये में मांग के आधार बढ़ोतरी होती है। जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, एआरपी (अग्रिम आरक्षण अवधि) तिथि 13 अक्टूबर 2025 के लिए बुकिंग शुरू होने की तारीख 14.08.2025 होगी। इसमें कहा गया है, यात्रा की शुरुआत का टिकट पहले 13 अक्टूबर 2025 और 26 अक्टूबर 2025 के बीच ट्रेन शुरू होने की तारीख के लिए बुक किया जाएगा और बाद में 17 नवंबर और एक दिसंबर 2025 के बीच ट्रेन शुरू होने की तारीख के लिए कनेक्टिंग यात्रा सुविधा का उपयोग करके वापसी यात्रा टिकट बुक किया जाएगा। इसमें स्पष्ट किया गया है कि अग्रिम आरक्षण अवधि, जो 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक है, वापसी यात्रा की बुकिंग के लिए लागू नहीं होगी। विज्ञप्ति में कहा गया है, इस योजना के तहत, यात्रियों के एक ही समूह के लिए जाने और आने दोनों यात्राओं के लिए बुकिंग कराने पर छूट लागू होगी।

आज का पंचांग

कोलकाता : 10 अगस्त, रविवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, भाद्रपद कृष्णपक्ष प्रतिपदा, 12:07 तक, नक्षत्र : धनिष्ठा, 13:41 तक, योग : शोभना, 23:58 तक, सूर्योदय: 5:12, सूर्यास्त: 18:11, चन्द्रोदय : 19:04, चन्द्रास्त: 05:53, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : कर्क, चन्द्र राशि : कुम्भ, राहू काल : 16:31 से 18:08

साप्ताहिक : राशिफल 10-08-25 से 16-09-25

मेष : चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ : इस सप्ताह मेष राशि के जातकों को करियर और व्यवसाय में आगे बढ़ने के अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आपको इन मौकों का लाभ उठाने के लिए अतिरिक्त मेहनत और भागदौड़ करनी पड़ेगी। सप्ताह की शुरुआत में किसी पुराने मित्र या प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से फायदे का काम करने का अवसर मिलेगा। सरकारी क्षेत्र से भी लाभ मिलने के आसार हैं। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मी दोनों का सहयोग मिलेगा। नौकरीपेशा जातकों को आय के अतिरिक्त स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

वृष : ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो : वृषभ राशि के जातकों के लिए ये सप्ताह राहत भरा रह सकता है। नौकरी या व्यापार में संघर्ष कर रहे लोगों को नई संभावनाएं मिलेंगी। करियर और कारोबार को आगे बढ़ाने के कई शानदार मौके मिलेंगे। व्यापारियों को किसी पुराने निवेश से अप्रत्याशित लाभ मिलने की संभावना है। हालांकि सेहत आपकी उपलब्धियों के रास्ते में रुकावट बन सकती है इसलिए स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। सप्ताह के बीच में आरामदायक वस्तुओं पर खर्च बढ़ सकता है।

मिथुन : का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह : मिथुन राशि वालों के लिए इस सप्ताह की शुरुआत सकारात्मक संकेतों के साथ होगी। रियल एस्टेट, मार्केटिंग या कमीशन जैसे क्षेत्रों से जुड़े जातकों के लिए सप्ताह अनुकूल रहेगा। आपके कार्यों में तेजी आएगी। लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। सप्ताह के बीच में आप किसी पारिवारिक या धार्मिक समारोह में शामिल हो सकते हैं, जिससे मानसिक शांति और प्रसन्नता मिलेगी। इस दौरान माता-पिता और परिवार का भरपूर समर्थन मिलेगा, जिससे आप किसी अहम निर्णय को आत्मविश्वास के साथ ले सकेंगे।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो : कर्क राशि वालों के लिए सप्ताह की शुरुआत थोड़ी तनावपूर्ण रह सकती है। परिवार के किसी सदस्य या प्रिय से मनमुटाव हो सकता है, जिससे आपको मानसिक अशांति महसूस होगी। घर की मरम्मत या आवश्यक खरीदारी में अधिक खर्च होने से आर्थिक बोझ भी बढ़ सकता है। साझेदारी में व्यापार करने वालों का पार्टनर से मतभेद हो सकता है इसलिए साफ बातचीत से स्थिति को बेहतर बनाना जरूरी होगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

सिंह : मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे : सप्ताह की शुरुआत में सिंह राशि वालों के अटके हुए काम पूरे होने के आसार हैं। खासकर सरकारी या प्रशासनिक स्तर के कार्यों में प्रगति नजर आएगी। नौकरीपेशा जातकों को ट्रांसफर या प्रमोशन जैसी खुशखबरी मिल सकती है। ऑफिस में वरिष्ठ अधिकारियों और अधीनस्थों का सहयोग प्राप्त होगा। जो लोग किसी खास प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे, उनके प्रयासों की सराहना होगी। सप्ताह के बीच में धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी।

कन्या : ढो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो : इस सप्ताह कन्या राशि के जातकों को बोलचाल और व्यवहार में सावधानी बरतने की आवश्यकता होगी। एक छोटी सी बात बड़ी गड़बड़ी कर सकती है। सप्ताह की शुरुआत में कामकाज के माहौल को अच्छा बनाए रखने के लिए सहकर्मियों के साथ तालमेल जरूरी रहेगा। इस समय आपको अपेक्षा से अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। सप्ताह के बीच में जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर बहस हो सकती है, जिससे घर का माहौल तनावपूर्ण हो सकता है।

तुला : रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते : तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कई शुभ अवसर लेकर आ सकता है। सप्ताह की शुरुआत में किसी धार्मिक आयोजन में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। यात्रा के योग भी बन रहे हैं, जो सुखद होंगी। सप्ताह के बीच में करियर में उन्नति हो सकती है। अगर आप नौकरी बदलने की सोच रहे हैं तो आपको अनुकूल प्रस्ताव मिल सकता है। नौकरीपेशा जातकों के लिए आय के अतिरिक्त साधन बन सकते हैं।

वृश्चिक : तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू : यह सप्ताह वृश्चिक राशि के जातकों के लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। आपको करियर को आगे बढ़ाने में दोस्तों और वरिष्ठ अधिकारियों की मदद मिलेगी। वहीं परिवार के किसी निर्णय में भाई-बहनों का समर्थन मिलेगा। संतान से जुड़ी कोई चिंता दूर होने से आप राहत महसूस करेंगे। सप्ताह के बीच में व्यापारियों को अपने प्रतिस्पर्धियों से टक्कर लेनी पड़ सकती है। इस दौरान जल्दबाजी में कोई भी गलत फैसला न लें, वरना आपको नुकसान हो सकता है।

धनु : ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे : इस सप्ताह धनु राशि के जातकों को अधिक भागदौड़ करनी पड़ेगी। अगर आप समय और ऊर्जा का सही इस्तेमाल करते हैं तो परिणाम आपके पक्ष में आता नजर आएगा। सप्ताह के बीच में घर-परिवार से जुड़ी कोई परेशानी आपको मानसिक रूप से परेशान कर सकती है। खासतौर पर किसी महिला सदस्य की तबीयत आपकी चिंता बढ़ा सकती है। इस समय खुद की सेहत का भी खास ध्यान रखें, वरना मौसमी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में बॉस से उचित संपर्क बनाए रखें।

मकर : भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी : मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह समस्याओं से छुटकारा दिलाने वाला हो सकता है। करियर या व्यापार को लेकर चिंतित लोगों को अब राहत महसूस होगी। कार्यक्षेत्र में आपको अपेक्षित सहयोग मिलेगा, जिससे काम में गति आएगी। व्यवसाय बढ़ाने के नए अवसर सामने आएंगे। आपकी मेहनत रंग लाएगी, सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। युवा वर्ग का समय मौज-मस्ती में बीतेगा जबकि अविवाहित लोगों का रिश्ता तय हो सकता है। संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपके पक्ष में सुलझ सकता है।

कुम्भ : गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा : कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह पहले से बेहतर रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपके रुके हुए काम पूरे होंगे जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। इसके साथ ही आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आप पारिवारिक जीवन को बेहतर बनाने के प्रयास में जुटे रहेंगे। परिवार के साथ कहीं यात्रा पर जाने का भी योग बन रहा है। सप्ताह के बीच में कोई नई योजना हाथ लग सकती है जो भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगी। नौकरीपेशा जातकों को आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

मीन : दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची : मीन राशि के जातक इस सप्ताह छोटी-छोटी बातों में उलझने के बजाय अपने लक्ष्य पर ध्यान लगाएं। कार्यक्षेत्र में विरोधी आपका ध्यान भटका सकते हैं इसलिए सतर्क रहें। ऑफिस और घर की समस्याओं को अलग-अलग रखें। इससे आपका मानसिक संतुलन बना रहेगा। सप्ताह के बीच में करियर और व्यापार से जुड़ी परेशानियां आ सकती हैं। खासतौर पर पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें, क्योंकि बाजार में अटका हुआ धन आपकी चिंता का कारण बन सकता है।

पूर्वांचल में बाढ़ ने रक्षा बंधन की खुशियों को किया फीका, कई लोग नाव से पहुंचे बहनों के घर

वाराणसी/बलिया (उप्र) : पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों में आई बाढ़ ने रक्षाबंधन के त्योहार में अवरोध पैदा किया और बहुत से भाइयों की कलाई सूनी रह गई। कुछ लोगों ने नाव का सहारा लेकर अपनी बहन के यहां पहुंचकर राखी बंधवाई, लेकिन बहुत से लोग इससे वंचित भी रह गये। लोगों ने बताया कि शनिवार को बाढ़ प्रभावित इलाकों में रक्षाबंधन का पर्व काफी फीका रहा। वाराणसी में वरुणा पार की निवासी मंजू देवी ने कहा कि क्षेत्र में पानी भरे होने की वजह से इस बार रक्षाबंधन में मेरे भाई नाव से आये हैं। मंजू के भाई सौरभ गुप्ता ने कहा कि ''बहन के घर के आस पास बाढ़ का पानी जमा होने की वजह से वह हमारे घर आने से मना कर रही थी, लेकिन रक्षाबंधन का त्यौहार एक साल बाद आता है, इसलिए वह बाढ़ के बावजूद नाव का सहारा लेकर बहन के घर आए हैं। ऐसे और भी कई लोग नाव लेकर बहन के घर पहुंचे और कुछ बहनें भी नाव से भाई को राखी बांधने पहुंची लेकिन ज्यादातर लोगों की राह बाढ़ ने रोक ली।

सीएम योगी का निर्देश, बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्र में बचाव और राहत की भरपूर हो तैयारी: आदित्यनाथ

पाण्डेयपुर हुकुलगंज क्षेत्र के चंद्रकांत सिंह ने बताया कि कुछ घरों में पानी घुस गया है, जिससे घर के सदस्य दूसरे तल पर रह रहे हैं, कुछ लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। सिंह ने कहा कि रक्षा बंधन पर बहनों को काफी दिक्कत हो रही है और कुछ बहनें नाव से राखी बांधने आ रही हैं। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार शनिवार की सुबह गंगा का जलस्तर 69.8 मीटर पर पहुंच गया, जबकि खतरे का निशान 71.262 मीटर है। वाराणसी के जिलाधिकारी सतेंद्र कुमार ने बताया कि गंगा का जलस्तर बुधवार से ही घट रहा है। उन्होंने कहा कि गंगा, अस्सी और वरुणा के कुल 28 वार्ड बाढ़ से प्रभावित हैं, कुल 24 बाढ़ राहत शिविर बनाये गए हैं, जिनमें 4,500 बाढ़ प्रभावित लोग रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, पुलिस, एनडीआरएफ और जल पुलिस की टीमें संयुक्त रूप से कार्य कर रही है और बाढ़ राहत टीम लगातार लोगों से संपर्क करके उनकी हर प्रकार की मदद कर रही है।

राजस्थान में नौ महीने से गौशालाओं का अनुदान नहीं दे रही भाजपा सरकार: अशोक गहलोत

जयपुर : पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गौशालाओं का अनुदान नहीं दिए जाने को लेकर शनिवार को राज्य सरकार पर निशाना साधा और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कथनी व करनी में फर्क है। गहलोत ने इस संबंध में एक खबर साझा करते हुए 'एक्स' पर लिखा, गौ माता के नाम पर राजनीति करने वाली भाजपा की स्थिति ऐसी है कि हमारे द्वारा गौशालाओं को नौ माह अनुदान देने के फैसले की पालना तक नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा, इनकी लचर कार्यशैली के चलते प्रदेश की 2500 गौशालाओं का 1120 करोड़ रुपए का अनुदान महीनों से नहीं दिया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने लिखा, भाजपा की कथनी और करनी में फर्क है, ये लोग दिखाते तो ऐसे हैं जैसे सिर्फ इन्हें ही गौमाता का ध्यान है लेकिन जब करने की बारी आती है तो जीरो साबित होते हैं।

देवरिया में पुराने पेड़ गिरने से पिता पुत्र की मौत: तीन घायल

देवरिया : उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के लार थाना क्षेत्र में शनिवार को गया वार्ड स्थित पेट्रोल पंप के पास एक पुराना जंगली पेड़ सड़क पर गिरने से मोटरसाइकिल सवार एक परिवार उसकी चपेट में आ गया, हादसे में पिता और उनके बेटे की मौके पर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मदनपुर निवासी संतोष चौहान (40) अपने पत्नी ममता देवी (32), बेटियां शिवानी (13), सोनाली (8) और बेटा शिवा (6) वर्ष के साथ मोटर साइकिल से राखी बधवाने के लिए पत्नी के भाई के घर जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि दोपहर में जब वह पेट्रोल पंप के समीप पहुंचे तभी सड़क के किनारे खड़ा पुराना जर्जर पेड़ अचानक टूट कर मोटर साइकिल पर गिर गया, जिससे वे सभी लोग पेड़ के नीचे दबे गए।

बांदा में महिला ने तीन बच्चों के साथ नहर में कूदकर आत्महत्या की

बांदा : उत्तर प्रदेश के बांदा जिले की नरैनी कोतवाली क्षेत्र में पति से झगड़े के बाद शनिवार को एक महिला ने तीन बच्चों के साथ केन नहर में कूदकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नहर से चारों शव बरामद करने के बाद पुलिस ने महिला के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बांदा जिले के अपर पुलिस अधीक्षक ने शिवराज ने बताया कि शनिवार सुबह पुलिस को जानकारी मिली कि रिसौरा गांव के अखिलेश आरख की पत्नी रीना (30) अपने तीन बच्चों हिमांशु (नौ), अंशी (पांच) और प्रिंस (तीन) के साथ घर से लापता है।

नीतीश कुमार ने पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए पेड़ को राखी बांधी

पटना : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को रक्षाबंधन के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरुकता फैलाने के लिए एक पेड़ को राखी बांधी। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, पर्यावरण मंत्री सुनील कुमार और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव हरजोत कौर के साथ मुख्यमंत्री ने बिहार की राजधानी पटना के एक लोकप्रिय पार्क राजधानी वाटिका में एक पौधा भी लगाया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, ''मुख्यमंत्री ने लोगों से पेड़ों की रक्षा का संकल्प लेने की अपील की। राज्य सरकार बिहार के हरित क्षेत्र की रक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए 2012 से रक्षाबंधन को 'बिहार वृक्ष सुरक्षा दिवस' के रूप में मनाती आ रही है।'' बयान में कहा गया है कि इस परंपरा की शुरुआत कुमार ने 2012 में की थी।

झारखंड के शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का मामला दायर किया: निशिकांत दुबे

रांची : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को कहा कि उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) समेत झारखंड के अधिकारियों पर विशेषाधिकार हनन का आरोप लगाया गया है। दुबे ने यह कदम अपने खिलाफ 'धार्मिक भावनाओं को आहत' करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद उठाया है। झारखंड पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उसने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे व मनोज तिवारी और अन्य के खिलाफ दो अगस्त को देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में जबरन प्रवेश करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। दुबे ने 'एक्स' पर कहा, मेरे खिलाफ 51 मामले दर्ज हैं। मैंने झारखंड के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, देवघर के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के खिलाफ संविधान के अनुच्छेद 105 के तहत विशेषाधिकार हनन का मामला दायर किया है। मंदिर के पुजारी कार्तिकनाथ ठाकुर की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। शिकायत में उन पर दो अगस्त को रात 8.45 बजे से नौ बजे के बीच मंदिर में जबरन प्रवेश करने का आरोप लगाया गया था, जबकि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मद्देनजर पवित्र महीने 'श्रावण' के दौरान वीआईपी या वीवीआईपी प्रवेश पर प्रतिबंध था। गोड्डा सांसद ने देवघर में संवाददाताओं से कहा, कानून के अनुसार, मैं एक सांसद होने के नाते बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर का ट्रस्टी हूं। मैं पुजारी से एक कदम आगे हूं। आखिर किस आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई? सांसद ने बताया कि वह गिरफ्तारी देने के लिए बाबा मंदिर थाने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करने से इनकार कर दिया।

बिहार: पटना और अन्य जिलों में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है गंगा

पटना : लगातार बारिश और कई नदियों के बढ़ते जलस्तर के कारण शनिवार को राज्य के कई निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पटना, वैशाली, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, भोजपुर, खगड़िया, पूर्णिया, मधेपुरा, सहरसा और कटिहार जिलों के कई निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति देखी गई। जल संसाधन विभाग के ताजा बुलेटिन के अनुसार, ''गंगा नदी मनेर, दानापुर, दीघा घाट, गांधी घाट, बांका घाट और हथीदह जैसे स्थानों पर (शनिवार सुबह नौ बजे तक) खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। पिछले दो-तीन दिन से लगातार बारिश के बाद राज्यभर की अन्य नदियों का जलस्तर भी बढ़ गया है।'' अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को पटना जिले में 89,000 से अधिक लोगों को निचले इलाकों से निकालकर राहत शिविरों में पहुंचाया गया, जबकि भोजपुर जिले में 21,700 लोगों को निकालकर राहत शिविरों में पहुंचाया गया है।

श्रावस्ती के प्राचीन मुंडा शिवाला का चार करोड़ रुपये खर्च कर होगा जीर्णोद्धार

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और पुनरोद्धार के लिए ठोस कदम उठा रही योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने अब श्रावस्ती के प्राचीन मुंडा शिवाला का चार करोड़ रुपये खर्च कर जीर्णोद्धार कराने का फैसला किया है। शनिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार श्रावस्ती के इस प्राचीन शिवाला का 225 वर्षों का इतिहास है और यहां नेपाल सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। श्रावस्ती के जिलाधिकारी (डीएम) अजय कुमार द्विवेदी के हवाले से जारी बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप धार्मिक धरोहर के संरक्षण और जीर्णोद्धार पर लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इसी के तहत अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, नैमिषारण्य और छोटी काशी में हो रहे कार्यों की तर्ज पर मुंडा शिवाला को भी पुनर्जीवित करने की पहल की गयी है।

पुलिस अधिकारी ने झारखंड चुनाव के दौरान असम के मुख्यमंत्री को फंसाने की साजिश रची : मरांडी

रांची/गुवाहाटी : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को कहा कि वह जल्द ही इस बारे में खुलासा करेंगे कि कैसे राज्य के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को साजिश के तहत फंसाने का प्रयास किया। मरांडी ने दावा किया कि पुलिस अधिकारी ने पिछले साल झारखंड विधानसभा चुनावों के दौरान दिल्ली और गुवाहाटी की यात्रा करने के लिए किसी को पैसे दिए थे। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से यह स्पष्ट करने का आग्रह किया कि क्या ये कथित कार्य उनकी जानकारी में हुए थे। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के सह-प्रभारी शर्मा ने गुवाहाटी में कहा कि यह एक राजनीतिक साजिश हो सकती है और वह इस मामले पर मरांडी से बात करेंगे। मरांडी ने 'एक्स' पर कहा, झारखंड में विधानसभा चुनाव के वक्त झारखंड के किस वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत विश्व शर्मा जी को षडयंत्र कर फंसाने का प्रयास करने लिये किसको दो-दो बार पैसे देकर दिल्ली और गुवाहाटी (असम) भेजा था? इसका खुलासा भी प्रमाण के साथ बहुत जल्द होगा।

झारखंड के मुख्यमंत्री ने विश्व आदिवासी दिवस पर अपने पिता शिबू सोरेन के योगदान को याद किया

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री और अपने पिता शिबू सोरेन के योगदान को याद किया। राज्य भर में नौ अगस्त को मनाया जाने वाला आदिवासी दिवस इस वर्ष शिबू सोरेन के निधन के तहत सादगी से मनाया जा रहा है। शिबू सोरेन का सोमवार को दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया था और उनकी उम्र 81 वर्ष थी। मुख्यमंत्री सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''आज विश्व आदिवासी दिवस है, लेकिन मेरे मार्गदर्शक, मेरे गुरु, मेरे पिता अब शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं। हालांकि, उनका संघर्ष, उनके विचार और उनके आदर्श हमें सदैव प्रेरित करते रहेंगे। वे न केवल मेरे पिता थे, बल्कि सम्पूर्ण आदिवासी समुदाय सहित झारखंड की आत्मा, संघर्ष के प्रतीक और जल-जंगल-जमीन के सबसे मुखर रक्षक थे।'' शिबू सोरेन ने कई वर्षों तक राजनीतिक संघर्ष किया और पृथक झारखंड राज्य के निर्माण की मांग की, जिसके बाद 15 नवंबर 2000 को राज्य अस्तित्व में आया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज ने मानवता को प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर सुखी जीवन जीने का मार्ग दिखाया है।

झारखंड में दो मालगाड़ियां पटरी से उतरीं, ट्रेन सेवाएं प्रभावित

जमशेदपुर : झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में चांडिल के पास शनिवार तड़के दो मालगाड़ियों के 20 से अधिक डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे दक्षिण पूर्व रेलवे के चांडिल-टाटानगर खंड के बीच ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मालगाड़ी के पटरी से उतरने की इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी ने पहले बताया था कि एक मालवाहक रेलगाड़ी पटरी से उतर गयी थी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक (आद्रा मंडल) विकास कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मालगाड़ी के पटरी से उतरने के कारण चांडिल के आसपास ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। उन्होंने कहा कि ट्रेन सेवा बहाल करने का काम जारी है और विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक ने बताया कि कई रेलगाड़ियों का या तो मार्ग बदल दिया गया है या उन्हें बीच में ही रोक दिया गया है या रद्द कर दिया गया है।

वर्ग पहेली नं. 3179

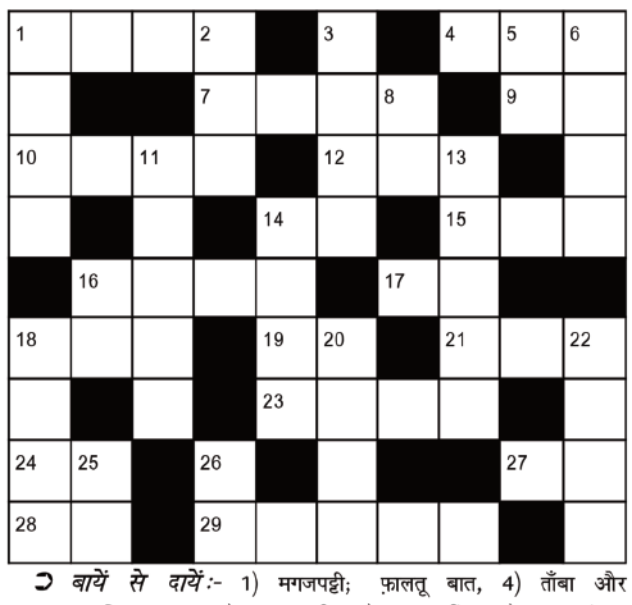

➲ *ऊपर से नीचे:-* 1) वर्षा होना, 2) अविराम, 3) बुलावा; गुहार, 5) निर्धारित, 6) फहराना, 8) दीपक, 11) मृत्यु, 13) गीला, 14) अभद्र; अमंगल, 16) वर्ष, 18) झक-झक; वाक्कलह; विवाद, 20) सप्ताहान्त, 22) सहानुभूति, 25) पानी का सोता; तीखा छोर, 26) लंबाई का एक पुराना नाप *(36 इंच लंबा). (उत्तर: अगले अंक में)*

➲ *बायें से दायें:-* 1) मगजपट्टी; फ़ालतू बात, 4) ताँबा और जस्ता का मिश्र धातु, 7) प्रारब्धवादी, 9) वह नहीं, 10) एक पांडव, 12) जीवन, 14) जी; चित्त, 15) नियुक्त करना *(नौकर)*, 16) चाक़-चौकस, 17) हिम्मत, 18) घड़ा, 19) अप्सरा, 21) नष्ट, 23) विस्तार-पूर्वक, 24) अमृत, 27) स्थगित, 28) पानी, 29) लूटपाट; बलपूर्वक.

पिछली पहेली का उत्तर

ह	त	ब	ल	■	आ	तं	क	वा	द
मा	■	■	ल	गा	म	■	री	स	■
ल	घु	शं	का	■	र	स्र	■	र	बी
■	से	■	र	म	ण	■	दा	■	मा
ज	ड़	■	ना	ग	■	अ	व	ता	र
म	ना	ना	■	ज़	मा	न	त	■	■
ना	■	जा	ल	■	ल	व	■	ह	ल्ला
■	■	य	ती	म	■	र	ई	सी	■
म	ह	ज़	■	स	म्म	त	■	नाश्ता	■

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3136

			4			9		
3		1		6				
	8						2	
6				1			8	9
		5	7					
		8		9		7		
4		2						1
		6		7			4	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3135 का उत्तर

7	6	4	9	5	3	1	2	8
5	3	9	2	1	8	4	6	7
2	1	8	4	6	7	5	3	9
6	9	1	3	4	5	7	8	2
3	8	2	1	7	9	6	5	4
4	7	5	8	2	6	3	9	1
1	2	3	5	8	4	9	7	6
8	5	7	6	9	1	2	4	3
9	4	6	7	3	2	8	1	5

नवान्न अभियान : प्रदर्शनकारियों को रोकने की व्यवस्था बनी आम नागरिकों का सिर दर्द

फोटो : देवार्चन चटर्जी

टैक्सी चालकों ने वसूला दोगुना किराया, यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें

सरिता सोरेन

कोलकाता/हावड़ा, समाज्ञा : नवान्न अभियान के कारण आम जनता के लिए एक भयानक अनुभव बन गया। इस प्रदर्शन ने न केवल सड़कें जाम कर दीं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की ज़िंदगी में भी भारी अवरोध पैदा कर दिया। सुबह से ही शहर की सड़कों पर यातायात पूरी तरह ठप रहा, जिससे छात्रों को अपनी महत्वपूर्ण परीक्षाओं के लिए समय पर पहुंचने में गंभीर परेशानी हुई। कई छात्र अपनी परीक्षाओं के लिए घर से निकलने के बावजूद, नवान्न अभियान के चलते फंसे रहे और परीक्षा केंद्रों पर देर से पहुंचे, जिससे उनका तनाव और बढ़ गया।

इसी तरह, कामकाजी लोग भी अपने कार्यस्थलों तक पहुंचने में असमर्थ रहे। ऑफिस, फैक्ट्री और अन्य जगहों पर काम करने वाले लोगों को न केवल देरी हुई बल्कि उनके कामकाज पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ा। लोग अपने जरूरी काम निपटाने में असमर्थ रहे, जिससे उनकी दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो गई। सबसे अधिक दिक्कतें हावड़ा स्टेशन पर देखी गईं, जहां बड़ी संख्या में यात्री अपनी मंजिल की ओर जाने के लिए गाड़ियों का इंतजार करते हुए थक चुके थे। घंटों तक बसों और टैक्सियों के लिए इंतजार करते-करते यात्रियों की तकलीफें बढ़ती चली गईं।

वहीं, हावड़ा ब्रिज के बंद होने से स्थिति और भी गंभीर हो गई। ब्रिज पार करने के बाद जब लोग टैक्सी पकड़ने लगे, तो टैक्सी चालक दो-गुना किराया मांगने लगे। मुंह मांगी कीमतों ने लोगों की जेबों पर जोरदार चोट की। लोग मजबूर होकर इतनी अधिक राशि चुकाने को विवश हो गए, क्योंकि कोई और विकल्प उनके पास नहीं बचा था। यह दिन न केवल एक विरोध प्रदर्शन था, बल्कि जनता के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा, जिसने हर किसी की जिंदगी को प्रभावित किया।

कोलकाता में रक्षाबंधन पर 'नवान्न अभियान' के बीच मेट्रो ही बनी राह, बहनों की खुशियां बचाई

सरिता सोरेन

कोलकाता, समाज्ञा : रक्षाबंधन का त्योहार शनिवार को पूरे भारत में धूमधाम से मनाया गया। यह त्योहार भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का प्रतीक है, जब बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें अपने जीवन की रक्षा करने का आशीर्वाद देती हैं। लेकिन इस बार कोलकाता में रक्षाबंधन का जश्न कुछ अलग माहौल में हुआ।

राज्य सचिवालय 'नवान्न' के सामने 'नवान्न अभियान' के चलते कोलकाता और हावड़ा के कई मुख्य मार्ग बंद कर दिए गए थे। पुलिस ने सुरक्षा के कारण हावड़ा

ब्रिज, विद्यासागर सेतु, रानी रश्मोनी एवेन्यू जैसे कई अहम रास्ते बंद कर दिए थे, जिससे शहर की आवाजाही पूरी तरह से प्रभावित हुई। खासकर त्योहार के दिन, जब बहनों की सबसे बड़ी इच्छा होती है कि वे सही समय पर राखी बांध सकें, यह परेशानी लोगों के लिए बड़ी चुनौती बनी।

लेकिन इस मुश्किल समय में, कोलकाता मेट्रो ने एक उम्मीद की किरण बनकर सामने आया। मेट्रो सेवा ने अपने नियमित समय से भी ज्यादा यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा प्रदान की। मेट्रो स्टेशन पर भीड़ देखी गई, लेकिन कर्मचारियों ने धैर्य और संयम के साथ काम किया ताकि कोई भी यात्री परेशान न हो। मेट्रो के माध्यम से बहनों और भाइयों ने राखी की खुशी निभाई, और परिवारों में त्योहार की खुशी बनी रही। मेट्रो अधिकारियों ने भी इस बढ़ती भीड़ का सामना करते हुए पूरी सावधानी और जिम्मेदारी के साथ काम किया। वे जान गए थे कि इस दिन का महत्व क्या है और इसलिए उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा का पूरा ध्यान रखा। मेट्रो की सेवा ने न केवल आवाजाही आसान बनाई बल्कि शहर में त्योहार की खुशी को भी जीवित रखा।

इस रक्षाबंधन पर, 'नवान्न अभियान' के चलते भले ही सड़कें बंद रहीं, लेकिन मेट्रो ने बहनों की खुशियों को पहुंचाने का काम बखूबी किया। शहर के लोग मेट्रो सेवा के लिए आभार प्रकट कर रहे हैं, जिन्होंने इस मुश्किल वक्त में भी त्योहार की रौनक कायम रखी।

'नागरिकों को डराने और राखी पर अशांति फैलाने की कोशिश'

बीजेपी पर तृणमूल कांग्रेस का हमला, कहा - बंगाल की संस्कृति का अपमान

कोलकाता : राखी बंधन के पवित्र त्योहार की गरिमा भंग कर राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप लगाते हुए सर्वभारतीय तृणमूल कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। तृणमूल का कहना है कि बीजेपी का 'नवान्न अभियान' दरअसल आम लोगों को डराने और समाज में विभाजन फैलाने का बहाना मात्र है। उनका आरोप है कि विरोध का समय जानबूझकर ऐसे तय किया गया कि वह बंगाल के राखी बंधन उत्सव के दिन ही पड़े - वह उत्सव जिसे नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ ठाकुर ने शांति और सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक बनाया था। तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि इस कदम से बीजेपी ने बंगाल की परंपरा का पूरी तरह अपमान किया है और अपना तथाकथित बंगाल-विरोधी असली चेहरा दिखा दिया है।

तृणमूल नेता **कुणाल घोष** ने बीजेपी पर सवाल उठाते हुए कहा, 'राखी उत्सव एक पवित्र हिंदू पर्व है, जो प्रेम, एकता और सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक है। लेकिन आज यही बीजेपी, जो खुद को हिंदू कहती है, उसी दिन सड़कों पर अशांति फैला रही है। अपने आपको हिंदू कहने के बावजूद, राखी बंधन के दिन को राजनीतिक कार्यक्रम के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसका मकसद केवल अशांति फैलाना है। ये लोग नकली हिंदू हैं, जो हिंदू नाम को कलंकित कर रहे हैं।'

राज्य की **मंत्री डॉ. शशि पांजा** ने सांस्कृतिक अलगाव का मुद्दा उठाते हुए कहा, '1905 में रवींद्रनाथ ठाकुर ने ऐसा राखी उत्सव आयोजित किया था, जिसमें सभी धर्मों के लोग एकत्र हुए थे। लेकिन आज हमने देखा कि तोड़फोड़ हो रही है, डराकर लोगों को त्योहार मनाने से रोका जा रहा है। ये 'बाहरी लोग' बंगाल के नहीं हैं, ये हमारी संस्कृति को समझते ही नहीं।'

इसी सुर में राज्य की **मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य** ने कहा, 'आज बंगाल की बीजेपी उसी भाईचारे के आदर्श को नष्ट कर रही है। रवींद्रनाथ के शब्दों में, सभी समुदायों के बीच मित्रता होनी चाहिए - इस सिद्धांत को बीजेपी नकार रही है। वे बंगाल से प्रेम नहीं करते, वे बंगाल-विरोधी हैं।'

तृणमूल कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, 'बलात्कार समाज पर एक अभिशाप है। यह केवल दिखावटी बयानबाज़ी नहीं, बल्कि ठोस क़ानून और कठोर निवारक उपाय मांगता है। लेकिन जो लोग चुनिंदा आक्रोश से फ़ायदा उठाते हैं, वे कभी ठोस कदम नहीं उठाएंगे, क्योंकि उनके लिए महिलाओं की सुरक्षा सिर्फ एक और राजनीतिक हथियार है।'

सीबीआई जांच पर उठाए सवाल, फिरहाद हाकिम बोले...

'अगर कोलकाता पुलिस जांच करती, तो होती फांसी की सजा'

कोलकाता : आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की छात्रा पर हुए बर्बर अत्याचार और हत्या की घटना को एक वर्ष बीत जाने के बाद भी न्याय को लेकर विवाद थमा नहीं है। अब कोलकाता के मेयर और राज्य के मंत्री फिरहाद हाकिम ने सीबीआई की भूमिका पर सवाल खड़े किए हैं। उनका स्पष्ट कहना है, अगर कोलकाता पुलिस जांच करती, तो फांसी की सज़ा होती।

फिरहाद हाकिम का दावा है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुरुआत से ही इस मामले में दोषी को कठोर सज़ा दिलाने की मांग की थी। कोलकाता पुलिस ने भी सही दिशा में जांच की थी और घटना के तुरंत बाद सिविक वॉलंटियर संजय राय को गिरफ्तार कर

लिया था। लेकिन, एक वर्ग कोर्ट चला गया और कोर्ट ने सीबीआई जांच का आदेश दिया।

मंत्री ने कहा, सीबीआई ने जांच की, चार्जशीट दाखिल की और सज़ा की घोषणा भी हो गई, लेकिन हम इससे संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इस घटना का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहा है। उनके शब्दों में, जो लोग कोर्ट जाकर फांसी रुकवाने की कोशिश कर रहे थे, वही आज नबन्ना अभियान में उतर आए हैं।

फ़िरहाद के मुताबिक, भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों पर अत्याचार और बंगाली भाषा पर हमले के खिलाफ पूरे राज्य में आवाज़ उठ रही है, और इस गूंज को दबाने के लिए विपक्ष आर.जी. कर की घटना का राजनीतिक इस्तेमाल कर रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री बार-बार डॉक्टरों से बातचीत कर उनके मुद्दों को सुनने का प्रयास करती रही हैं, लेकिन आंदोलन केवल राजनीतिक लाभ के लिए जारी रखा गया। उनका तंज था, जो लोग कोर्ट का इस्तेमाल करके फांसी रुकवाते हैं, वही आज न्याय का हवाला देकर सड़क पर उतर रहे हैं-यही विपक्ष की दोहरी नीति है।

नवान्न अभियान में पुलिस से मारपीट और धमकी का आरोप

❑ भाजपा विधायक अशोक डिंडा के खिलाफ़ एफआईआर

कोलकाता : आर.जी.कर मामले के प्रतिवाद में शनिवार को हुए नवान्न अभियान के दौरान पार्क स्ट्रीट इलाके में हंगामा और झड़प की स्थिति पैदा हो गई। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच बहस बढ़ने पर हालात बेकाबू हो गए और पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस घटना के बाद पुलिस ने भाजपा विधायक अशोक डिंडा के खिलाफ़ एफआईआर दर्ज की है। उन पर धमकी देने और कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने का आरोप है। सूत्रों के मुताबिक, अशोक डिंडा के अलावा कुछ अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ़ भी मामला दर्ज करने की तैयारी है, क्योंकि पुलिस को उकसाने, धमकी देने और मारपीट करने के आरोप लगे हैं। जानकारी के अनुसार, नवान्न अभियान से जुड़ी कुल 6 मामले अब तक दर्ज हो चुके हैं, जिनमें से एक मामला विशेष रूप से अशोक डिंडा के खिलाफ़ दर्ज किया गया है।

चार अफसरों का निलंबन सिर्फ नमूना, गड़बड़ियों में फंसे 25 और अफसर!

कोलकाता : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार कह रही हैं कि चुनाव आयोग द्वारा चार अधिकारियों और एक डेटा एंट्री कर्मी के निलंबन के आदेश को नबन्ना नहीं मानेगा। उनका साफ़ कहना है, मैं अपने किसी अधिकारी को निलंबित नहीं करूंगी। जिस तरह मुख्यमंत्री इस मुद्दे पर अडिग हैं, उसी तरह आयोग भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। शुक्रवार को मुख्य सचिव मनोज पंत को पत्र लिखकर आयोग ने निलंबन के आदेश की याद दिलाई और सोमवार दोपहर 3 बजे तक रिपोर्ट भी मांगी है। आयोग सूत्रों से मिली जानकारी और भी चौंकाने वाली है। जिन चार अधिकारियों को निलंबित करने की सिफारिश की गई है, वह तो सिर्फ़ एक नमूना है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए फॉर्म नंबर 6 के आवेदनों के निपटारे में कई विधानसभा क्षेत्रों में गड़बड़ियां मिलने के बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने कम से कम 25 ईआरओ (ईआरओ) और सहायक ईआरओ (एईआरओ) को चिह्नित किया है। इनमें कई डब्ल्यूबीसीएस एग्जीक्यूटिव अफ़सर भी शामिल हैं।

सीईओ कार्यालय के एक अधिकारी के अनुसार, मतदाता सूची में अनियमितताओं के आरोप में जिन चार अफ़सरों को निलंबन की सिफारिश की गई, उन्हें पहले भी चेतावनी दी गई थी, लेकिन उन्होंने चेतावनी को नज़रअंदाज़ किया और गड़बड़ियां जारी रखीं। यही हाल बाकी 25 अफसरों का भी है - आयोग ने उन्हें कई बार आगाह किया, फिर भी उन्होंने लापरवाही बंद नहीं की। अब सवाल उठ रहा है कि आयोग ने इन 25 अन्य अधिकारियों के खिलाफ़ अभी तक कार्रवाई की सिफारिश क्यों नहीं की है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट मामले में ईडी ने 14.29 करोड़ रुपये की संपत्ति की अटैच

कोलकाता, समाज्ञा : ईडी ने गैर-कानूनी ऑनलाइन सट्टेबाजी पैनल केस में बड़ी कार्रवाई करते हुए 14.29 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति अस्थाई रूप से अटैच कर ली है। ये रकम 80 म्यूल बैंक अकाउंट्स (दूसरों के नाम पर खोले गए बैंक खाते) में जमा थी। ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि कई म्यूल अकाउंट्स का इस्तेमाल ऑनलाइन सट्टेबाजी से होने वाली कमाई को इकट्ठा करने के लिए किया जा रहा था। यह पैसा आगे कई शेल कंपनियों के जरिए इधर से उधर किया जाता था। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने यह जांच सिलीगुड़ी पुलिस कमिश्नरेट की एफआइआर पर शुरू की थी, जो भारतीय दंड संहिता और पश्चिम बंगाल गैंबलिंग एंड प्राइज

कंपटीशन एक्ट, 1957 के तहत दर्ज की गई थी। इस सट्टेबाजी में अवैध ऐप बाकायदा कार्पोरेट स्ट्रक्चर में चलाए जा रहे थे, पैनल/फ्रेंचाइजी किराए पर दी जाती थी, ताकि लोग स्थानीय स्तर पर अवैध सट्टेबाजी ऐप चला सकें। अलग-अलग विभाग बानए थे-कस्टमर एक्विजिशन, काल सेंटर, अकाउंट डिपार्टमेंट, कस्टमर विनिंग सेटलमेंट, यह पूरा नेटवर्क वाट्सऐप ग्रुप और टेलीग्राम चैनल्स पर गुप्त तरीके से चलता था। पैनल खरीदने के लिए भुगतान क्रिप्टोकरेंसी में किया जाता था। तीन जून 2025 को ईडी ने बंगाल, दिल्ली, बिहार, यूपी और असम में छापेमारी की थी। कई डिजिटल डिवाइस और दस्तावेज जब्त किए थे। इस मामले में विशाल भारद्वाज उर्फ बादल भारद्वाज, सोनू कुमार ठाकुर और अभिषेक बंसल नामक तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, जो फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी की टीम पहले ही 1130 म्यूल बैंक अकाउंट्स फ्रीज कर चुकी है, जिनमें 10.20 रुपये करोड़ थे। इस केस में एक अगस्त 2025 को ईडी ने 10 आरोपितों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

जल परियोजना पर खर्च का निर्देश, तृणमूल का व्हाट्सऐप ग्रुप में संदेश

कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस ने जल परियोजनाओं और केंद्र की कथित वंचना के मुद्दे पर अपने सांसदों और विधायकों को सक्रिय होने का निर्देश दिया है। पार्टी के राज्य अध्यक्ष सुब्रत बक्सी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी सांसदों, विधायकों और जनप्रतिनिधियों से कहा कि वे पाड़ा समाधान कैंप में अधिक समय दें और लोगों को बताएं कि केंद्र जल परियोजनाओं के लिए राज्य को पैसे नहीं दे रहा है।

निर्देश के मुताबिक, सांसद अपने सांसद निधि से 1 करोड़, विधायक अपनी निधि से 10 लाख और ज़िला परिषद अपनी वार्षिक बजट का 5% जल परियोजनाओं पर खर्च करेंगे। यह निर्देश व्हाट्सऐप ग्रुप के ज़रिए सभी को भेजा गया।

सुब्रत बक्सी ने जनप्रतिनिधियों से कहा कि केंद्र की वंचना और एसआईआर (डखठ) को लेकर प्रचार तेज़ किया जाए और राज्य सरकार की विकास योजनाओं को बूथ स्तर तक पहुंचाया जाए। हमारा पाड़ा, हमारा समाधान कार्यक्रम में सभी की भागीदारी ज़रूरी बताई गई।

निर्देश में कहा गया कि आवेदन पत्र नियमानुसार लिए जाएंगे और काम 90 दिनों के भीतर पूरे करने होंगे। सभी सांसद-विधायक और जिला परिषद अध्यक्ष अपने क्षेत्रों में रोज़ाना कम से कम एक बैठक करेंगे और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के एसआईआर संबंधी संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएंगे।

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना
ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति के लिए निम्नलिखित कार्यों हेतु ई- निविदा आमंत्रित की जाती है: क्र.सं.; निविदा सं.; कार्य का नाम; विज्ञापित निविदा मूल्य (रुपये); बोली सुरक्षा राशि (रुपये); समापन की अवधि; समापन की तिथि इस प्रकार है: **[01]; Engg-40-2025-26;** सीएलडब्ल्यू, चित्तरंजन में सामुदायिक हॉल एवं कल्याण संस्थान का उन्नयन; ₹ 2,82,54,222.08; ₹ 2,91,300.00; 05 (पाँच) महीने; 22.08.2025। **[02]; Engg-41-2025-26;** सीएलडब्ल्यू /चित्तरंजन में कार्यशाला के अन्दर जल आपूर्ति सुविधाओं का उन्नयन/नवीनीकरण; ₹ 4,62,68,737.85 ₹ 3,81,400.00; 07 (सात) महीने 22.08.2025। **[03]; Engg-42-2025-26;** 1) सीएलडब्ल्यू, चित्तरंजन में वर्षा परीक्षण शेड के विस्तार के साथ वर्षा परीक्षण शेड में शून्य स्तर ट्रैक का प्रावधान, 2) सीएलडब्ल्यू, चित्तरंजन में व्हील शॉप-09 और शेल शॉप में कार्यशाला क्षेत्र के साथ एसडी फर्श का प्रावधान; ₹ 7,08,18,235.00; ₹ 5,04,100.00; 08 (आठ) महीने; 22.08.2025। नोट: 1. पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in एवं www.clw.indianrailways.gov.in पर देखे जा सकते हैं। 2. सम्पर्क नम्बर- 9163340201 एवं 9163340206।
PR2/170 उप मुख्य अभियन्ता/विरेका/चित्तरंजन
www.facebook.com/clwrailways पर हमें देखें

राज्य की रिपोर्ट से केंद्र संतुष्ट नहीं, धनराशि की नहीं मिली स्वीकृति

100 दिन रोजगार व प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के मद में भ्रष्टाचार के कारण बंद कर रखा है फंड

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में अनियमितताओं को दूर करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को लेकर केंद्र सरकार को 'संतोषजनक' रिपोर्ट नहीं मिली है। 100 दिन रोजगार योजना में अनियमितताओं को रोकने में कोई 'स्पष्ट सुधार' नहीं हुआ है। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि यही कारण है कि केंद्र सरकार 100 दिन रोजगार और ग्रामीण आवास योजना के तहतम बंगाल के लिए धनराशि स्वीकृत नहीं कर रही है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने 2022-23 से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत बंगाल के लिए धनराशि स्वीकृत करना बंद कर दिया है। चालू वर्ष, 2025-26 में अब तक कोई धनराशि स्वीकृत नहीं की

गई है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस योजना में राज्य में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। आरोपों की जांच के लिए एक केंद्रीय स्तर की निगरानी टीम और वरिष्ठ अधिकारियों की टीम भेजी गई थी। केंद्रीय दल की रिपोर्ट के आधार पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले साल दिसंबर में संसद को सूचित किया था कि बंगाल में 100 दिन रोजगार योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितताएं और भ्रष्टाचार 'सिद्ध' हो गया है। उस समय वित्त मंत्री ने बताया था कि राज्य सरकार ने केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय को एक 'कार्रवाई रिपोर्ट' भेजी है, जिसमें बताया गया है कि उसने इस संबंध में क्या कदम उठाए हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय इसकी जांच कर रहा है। इस रिपोर्ट के आधार पर फैसला लिया जाएगा कि पैसा दोबारा दिया जाएगा या नहीं। इस बार संसद में एक सवाल के जवाब में वित्त मंत्रालय ने लिखित में कहा कि राज्य से 'संतोषजनक कार्रवाई रिपोर्ट' नहीं मिली है। 2016-17 से 2020-21 तक बंगाल को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 25,798 करोड़ रुपये मंजूर किए गए थे। कुल 45 लाख 69 हजार 423 घरों का लक्ष्य रखा गया था। राज्य ने 391 को छोड़कर शेष सभी घरों के निर्माण को मंजूरी दे दी है। 34 हजार से अधिक घरों का निर्माण किया जा चुका है। लेकिन 2018 के आवास-प्लस सर्वेक्षण से पश्चिम बंगाल के लिए 2022 का लक्ष्य निर्धारित करने के बाद अनियमितताओं के आरोप लगे। केंद्रीय टीम की रिपोर्ट के आधार पर राज्य से एक रिपोर्ट मांगी गई थी। इसमें 'संतोषजनक कार्रवाई रिपोर्ट' प्रस्तुत नहीं की गई थी। इसलिए, अभी तक धनराशि स्वीकृत नहीं की गई है।

❑ **हाई कोर्ट ने एक अगस्त से कार्य शुरू करने का दिया था आदेश**

100 दिन रोजगार योजना के मामले में, केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस योजना के कार्यान्वयन में अनियमितताओं की शिकायतें मिलने के बाद केंद्रीय टीम भेजी गई थी। रिपोर्ट में वित्तीय अनियमितताएं, अवैध कार्य परमिट, पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी जैसी समस्याएं पाई गईं। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने इन्हें सुधारने के लिए राज्य सरकार को कई बार संदेश भेजे हैं। लेकिन 'कोई उल्लेखनीय सुधार' नहीं देखा गया है। इसलिए, 100 दिन रोजगार योजना के लिए धन का आवंटन 9 मार्च, 2022 से रोक दिया गया है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य में 100 दिन रोजगार योजना को एक अगस्त से फिर से शुरू करने का आदेश दिया था। उसके बाद भी, केंद्र सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस मामले में केंद्र सरकार की स्थिति से अदालत को अवगत कराया जाएगा।

www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

कूचबिहार में भरी दोपहर में गोलीबारी, तृणमूल पंचायत प्रधान के बेटे की हत्या

गोलीबारी में एक अन्य युवक भी घायल

कूचबिहार : राखी के दिन कूचबिहार में भरी दोपहर में हुई गोलीबारी में स्थानीय तृणमूल पंचायत प्रधान के बेटे की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान अमर रॉय के रूप में की गई है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। प्रारंभिक तौर पर पता चला है कि अमर रॉय तृणमूल युवा संगठन से जुड़ा था। क्या इस घटना में राजनीति शामिल है? या कुछ और है? यही सवाल है। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई है। पता चला है कि शनिवार की दोपहर कूचबिहार के ब्लॉक नंबर 2 के डोडेयार हाट इलाके में गोलीबारी हुई। बताया गया है कि हर हफ्ते मंगलवार और शनिवार को उस इलाके में बाजार लगता है। इसलिए इलाके में लोगों की भारी भीड़ होती है। शनिवार को राखी के दिन बाजार लगा था। दोपहर बाद कुछ लोग बाइक से उस इलाके में गए। बाजार के अंदर दिनदहाड़े गोलियां चलाई गईं। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, पुंडीमारी में दावागुड़ी ग्राम पंचायत की प्रधान तृणमूल नेता कुंतला रॉय हैं। उनका बेटा अमर रॉय अपने एक दोस्त के साथ उस बाजार में मांस खरीदने गया था। बताया गया है कि बाजार में अमर का बाइक सवारों से विवाद हुआ था। उस समय, बाइक सवारों ने कथित तौर पर अमर को पॉइंट ब्लैंक रेंज से गोली मार दी। अमर के सिर में गोली लगी। वह मौके पर ही खून से लथपथ होकर

गिर पड़ा। अमर के दोस्त को भी गोली लगी। इसके बाद, बाइक सवार तेजी से मौके से फरार हो गए। सूचना पुंडीमारी थाने को दी गई। पुलिस आनन-फानन में घटनास्थल पर गई। बताया गया है कि अमर रॉय की मौके पर ही मौत हो गई। गोलीबारी में घायल हुए एक अन्य युवक को स्थानीय निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां उसका इलाज चल रहा है। बड़ी संख्या में पुलिस बल ने घटनास्थल पर जाकर जांच शुरू कर दी है। कूचबिहार के पुलिस अधीक्षक दुतीमान भट्टाचार्य ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है। बदमाश दो बाइक पर आए थे। उनकी तलाश की जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद तृणमूल प्रवक्ता और पूर्व सांसद पार्थ प्रतिम रॉय अस्पताल गए।

जॉइंट प्रवेश परीक्षा में कानूनी अड़चन, हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगा राज्य

कोलकाता : कोलकाता हाई कोर्ट के आदेश से पश्चिम बंगाल जॉइंट एंट्रेंस परीक्षा (डब्ल्यूबीजेईई) के परिणाम जारी करने में कानूनी जटिलता पैदा हो गई है। कॉलेजों में दाखिले की प्रक्रिया भी इसी कारण ठप पड़ी हुई है। इस समस्या के समाधान के लिए राज्य सरकार अब हाई कोर्ट के निर्देश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने जा रही है।

शुक्रवार को जोड़ासांको कैंपस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद अलग तरह का विचार होना संभव है, यह हमारे अनुमान में नहीं था। हम जल्द ही कानूनी रास्ता अपनाएंगे और देश की सर्वोच्च अदालत में अपील करेंगे। संभव है कि शुक्रवार को ही इस मामले का

मेंशन किया जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि स्नातक प्रवेश पोर्टल बंद होने का मामला बहुत जल्द सुलझा लिया जाएगा।

गौरतलब है कि 7 अगस्त को डब्ल्यूबीजेईई का परिणाम जारी करने की तैयारी पूरी थी, लेकिन उससे पहले ही कोलकाता हाई कोर्ट में ओबीसी आरक्षण से जुड़ा मामला बाधा बन गया। इससे पहले 5 जून को भी परिणाम जारी करने की योजना आरक्षण विवाद के कारण रुक गई थी।

हाई कोर्ट के आदेश के चलते राज्य के कॉलेजों में स्नातक प्रवेश की प्रक्रिया अटकी हुई है और 7 अगस्त को मेरिट लिस्ट जारी नहीं हो पाई। प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी में स्नातक और स्नातकोत्तर दाखिले भी इसी कानूनी अड़चन में फंसे हैं।

पहले सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी आरक्षण पर हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी, लेकिन इसके बाद हाई कोर्ट की न्यायमूर्ति कौशिक चंद्र की पीठ में नया मामला दाखिल हुआ। बीते गुरुवार को इस पीठ ने डब्ल्यूबीजेईई बोर्ड को आरक्षण को लेकर नया निर्देश दिया, जिसे अब राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी।

महानायक उत्तम कुमार मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो स्टाफ ने बचाई महिला यात्री की जान

कोलकाता : मेट्रो रेलवे के स्टाफ और आरपीएफ कर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक बीमार महिला यात्री की जान बचाई। घटना 7 अगस्त 2025 को लगभग 15:10 बजे की है, जब लगभग 16 वर्षीय एक महिला यात्री अचानक महानायक उत्तम कुमार मेट्रो स्टेशन पर अस्वस्थ हो गई। उनके साथ मौजूद मां ने स्टेशन स्टाफ और आरपीएफ से मदद मांगी। स्थिति की गंभीरता देखते हुए, आरपीएफ और स्टेशन स्टाफ तुरंत मौके पर पहुंचे। युवती को स्टेशन मास्टर के कार्यालय में लाकर प्राथमिक उपचार दिया गया। बाद में उसे तत्काल उसकी मां के साथ एम.आर. बांगुर अस्पताल भेजा गया। युवती और उसकी मां ने मेट्रो रेलवे के स्टेशन स्टाफ के त्वरित और मानवीय सहयोग के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

मालदह में साढ़े चार साल की बच्ची से दुष्कर्म, आरोपी किशोर गिरफ्तार

मालदह : जिले के चांचल थाना इलाके में साढ़े चार साल की बच्ची से पड़ोसी किशोर पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया गया है। इस घटना से हड़कंप मच गया है। बच्ची का फिलहाल मालदह मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। पुलिस ने 15 साल के आरोपी किशोर को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को बच्ची मोहल्ले की गलियों में खेलने में व्यस्त थी। तभी, किशोर उसे बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया। कथित तौर पर, उसने बच्ची को घर ले जाकर दुष्कर्म किया। बाद में, बच्ची लहूलुहान हालत में रोने लगी। पड़ोसियों के साथ बच्ची के माता-पिता भी मौके पर पहुंचे। जब आरोपी किशोर के माता-पिता को मामले की जानकारी दी गई, तो

उन्होंने पीड़ित बच्ची के परिवार को महत्व नहीं दिया। आरोप है कि उन्होंने थाने में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। इसी बीच, रक्तस्राव के कारण बच्ची की हालत बिगड़ गई। उसे चांचल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ले जाया गया। हालत बिगड़ने पर उसे रात में मालदह मेडिकल रेफर कर दिया गया। इस बीच, पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी किशोर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उसी दिन आरोपी को किशोर न्यायालय ले गई।

एनसीसी के बंगाल- सिक्किम निदेशालय के नए एडीजी बने मेजर जनरल अमर पाल सिंह चहल

❑ **मेजर जनरल विवेक त्यागी का लिया स्थान, दो वर्षों तक त्यागी ने एडीजी के रूप में किया शानदार नेतृत्व**

कोलकाता, समाज्ञा : मेजर जनरल अमर पाल सिंह चहल, एसएम ने एनसीसी के बंगाल एवं सिक्किम निदेशालय के नए अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) के रूप में शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने मेजर जनरल विवेक त्यागी का स्थान लिया है, जिन्होंने एडीजी के रूप में दो वर्षों से अधिक समय तक बंगाल व सिक्किम निदेशालय का कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया। त्यागी का अब एनसीसी के महाराष्ट्र निद-ेशालय के एडीजी के पद पर स्थानांतरण हो गया है। यहां एनसीसी निदेशालय में आयोजित भव्य समारोह में उन्होंने नए एडीजी को

पदभार सौंप दिया। कार्यभार ग्रहण करते हुए मेजर जनरल चहल ने सभी रैंकों के कर्मियों व अधिकारियों से सशस्त्र बलों और एनसीसी की उत्कृष्ट परंपराओं को बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने, भविष्य के लिए तैयार प्रशिक्षण को बेहतर बनाने और युवा कैडेटों को जिम्मेदार, सक्षम और सशक्त नागरिक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया, जो विकसित भारत के विजन में योगदान देंगे। एक आधिकारिक बयान में निदेशालय ने मेजर जनरल विवेक त्यागी के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिनके प्रेरक नेतृत्व और दृढ़ प्रतिबद्धता ने इस क्षेत्र में एनसीसी मिशन को अत्यधिक सुदृढ़ किया। उनके नेतृत्व में, निदेशालय ने कैडेटों के विकास, प्रशिक्षण उत्कृष्टता और सामुदायिक आउटरीच में उल्लेखनीय प्रगति देखी। इस नए अध्याय के आरंभ के साथ, बंगाल एवं सिक्किम निदेशालय ने सेवा, समर्पण और संकल्प के साथ सेवा करने के अपने संकल्प को दोहराया है।

'हमारा मोहल्ला, हमारा समाधान' कैम्प में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तस्वीर फाड़ने का आरोप

कोचबीहार : कोचबीहार के 'हमारा मोहल्ला, हमारा समाधान' कैम्प में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तस्वीर फाड़े जाने का आरोप लगाते हुए तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा और सीपीएम पर निशाना साधा है। मामला उस इलाके के माथाभांगा ब्लॉक के एक कैम्प का बताया जा रहा है जहाँ कुछ दुष्ट तत्वों ने कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री की फोटो फाड़ दी। तृणमूल नेताओं का कहना है कि यह घटना राजनीतिक उद्देश्य से की गई है और विपक्षी दलों द्वारा रात्रि समय में इस तरह की बुराईपूर्ण हरकतें की जा रही हैं क्योंकि वे खुलकर राजनीतिक लड़ाई नहीं लड़ पा रहे। तृणमूल ने घटना की निंदा करते हुए प्रशासन से दोषियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है और सुनिश्चित किया है कि इस मामले में विरोध स्वरूप दृढ़ कदम उठाए जाएंगे। स्थानीय स्तर पर घटना से गहरा आक्रोश देखा जा रहा है और तृमूल ने इसे लोकल स्तर पर जन-प्रदर्शन का विषय बनाने की भी चेतावनी दी है।

गौरव गुप्ता ने चिवास लक्स के साथ ब्राइडल कुत्योर कलेक्शन 'क्वांटम एंटैंगलमेंट' किया लॉन्च

कोलकाता, समाज्ञा

प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय कुत्योर डिजाइनर गौरव गुप्ता ने 8 अगस्त को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में अपने ब्राइडल कुत्योर कलेक्शन 'क्वांटम एंटैंगलमेंट' का भव्य लॉन्च किया। यह उनकी ब्राइडल कलेक्शन की पहली प्रस्तुति थी, जिसे आधुनिक भारतीय शादियों की भावनात्मक गहराई और परंपराओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इस संग्रह में मिरर किए सिल्हूट, डुअल-टोन पेयरिंग, और हाथ से की गई कढ़ाई विशेष रूप से देखने को मिली। शो में लगभग 500 मेहमानों ने कॉकटेल से लेकर रिसेप्शन तक शादी के हर रस्म को थिएट्रिकल फैशन स्टोरीटेलिंग के रूप में अनुभव किया। चिवास लक्स कलेक्टिव परफ्यूम्स के साथ साझेदारी में यह कलेक्शन भारतीय शादी की रस्मों की गहराई और इमोशनल कनेक्शन को दर्शाता है। गौरव ने ब्राइडलवियर को वास्तुकला, भावना और आधुनिकता का नया स्वरूप दिया है। शो में जानी-मानी हस्तियों जैसे जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने भी कुत्योर लुक्स में वॉक किया। यह प्रस्तुति भारतीय फैशन में एक नए युग की शुरुआत है, जहां परंपरा और नवाचार का सुंदर समन्वय देखने को मिला।

पति के विवाहेतर संबंध का विरोध करने पर पत्नी की हत्या, आरोपी पति फरार

मुर्शिदाबाद : पति के विवाहेतर संबंध का विरोध करने पर कथित तौर पर पत्नी की हत्या का आरोप पति पर लगा है। मृतका की पहचान हलीमा खातून (24) के रूप में की गई है। घटना मुर्शिदाबाद के इस्लामपुर थाना अंतर्गत गोप-ीनाथपुर इलाके की है। घटना के बाद से आरोपी पति रुबेल शेख फरार है। पता चला है कि हलीमा की कुछ साल पहले रुबेल से शादी हुई थी। उनकी दो साल की एक बेटी है। मृतका के परिवार का आरोप है कि रुबेल विवाहेतर संबंध में शामिल था। पति के विवाहेतर संबंध के बारे में पता चलने पर हलीमा ने विरोध किया। इसको लेकर पति-पत्नी के बीच

अक्सर अशांति होती थी। शनिवार की सुबह हलीमा का शव घर के खलिहान से बरामद हुआ। रुबेल ने मृतका के परिवार को बताया कि उसकी पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। हलीमा के परिवार का आरोप है कि रुबेल ने उनकी बेटी की हत्या की है। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। पड़ोसी घर के सामने जमा हो गए। मृतका के परिवार का आरोप है कि उसका पति हलीमा को नियमित रूप से प्रताड़ित करता था। उसने पहले भी एक बार हलीमा की दाढ़ी काटी थी। घटना की खबर मिलते ही पुलिस पहुंची। तब तक रुबेल मौके से फरार हो चुका था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जांच शुरू कर दी है। मृतका के परिवार ने आरोपी को कड़ी से कड़ी सज़ा देने की माँग की है। उनके अनुसार, अगर उसने कोई अपराध नहीं किया है, तो रुबेल भाग क्यों गया? हलीमा के परिवार ने उसकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

रक्षाबंधन के मौके पर नन्हें भाई को राखी बांधती बहन

घाटाल में बाढ़ के पानी से परिवहन कर्मचारी का शव बरामद

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के घाटाल में बाढ़ के पानी से एक शव बरामद हुआ है। पता चला है कि शुक्रवार की सुबह घाटाल थाना अंतर्गत श्यामपुर इलाके में बाढ़ के पानी से एक शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान अजबनगर गांव निवासी राजीव सिंह रॉय (43) के रूप में हुई है। घाटाल पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए घाटाल उपजिला अस्पताल भेज दिया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि राजीव पेशे से परिवहन कर्मचारी था। परिवार ने दावा किया कि वह घर जाते समय बाढ़ के पानी में डूब गया। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, राजीव काम के बाद घर लौट रहा था। बाद में, वह बाढ़ के पानी में गिर गया और डूब गया। उसका पता नहीं चल सका। एनडीआरएफ के सदस्यों ने तलाश शुरू की। शुक्रवार की सुबह शव बरामद किया गया।

डिवाइन सॉलिटेयर ने 'द सॉलिटेयर फेस्टिवल ऑफ इंडिया' से जिंदगी के जश्न में बढ़ाई चमक

कोलकाता, समाज्ञा : डिवाइन सॉलिटेयर ने इस अगस्त में चौथा राष्ट्रीय संस्करण 'द सॉलिटेयर फेस्टिवल ऑफ इंडिया' (टीएसएफआई) शुरू किया, जो देश के 100 से अधिक शहरों में 1 से 31 अगस्त तक आयोजित हो रहा है। इस साल फेस्टिवल का टैगलाइन है 'स्पार्कल से सरप्राइज तक', जो ग्राहकों को डायमंड खरीदारी का अन-ोखा अनुभव देने का वादा करता है। इस दौरान शानदार डायमंड कलेक्शन के साथ सुनिश्चित उपहार, मेगा ड्रॉ और पूरे महीने भर चलने वाले सरप्राइज कार्यक्रम होंगे। ग्राहक हफ्ते के मेगा ड्रॉ में आईफोन, लैपटॉप, कार जैसे बड़े इनाम जीत सकते हैं, जबकि 3 सितंबर को बंपर ड्रॉ में लग्जरी एसयूवी समेत घरेलू उपकरण दिए जाएंगे। डिवाइन सॉलिटेयर के संस्थापक जिग्नेश मेहता ने कहा कि यह फेस्टिवल डायमंड खरीदारी को उत्सव और भावना से भर देता है, जिससे ग्राहक सिर्फ आभूषण नहीं बल्कि एक यादगार अनुभव पाते हैं।

मालदह मंडल ने वृक्षारोपण, श्रमदान और एंटी-लिटरिंग अभियान चलाया

मालदह : पूर्व रेलवे के मालदह मंडल ने 'स्वच्छता अभियान-2025' के तहत शनिवार को व्यापक स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत बाराहट स्टेशन परिसर में वृक्षारोपण से हुई, जहां डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने पहला पौधा लगाया। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने लगभग 4,000 पौधे रोपकर हरित आवरण बढ़ाने और यात्रियों व स्थानीय लोगों में पर्यावरण जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। इसी क्रम में मंडल पर्यावरण एवं स्वच्छता प्रबंधन विभाग ने डीआरएम कार्यालय परिसर में श्रमदान का आयोजन किया। हाउसकीपिंग कर्मचारियों ने कार्यालय और आसपास के क्षेत्रों की गहन सफाई कर स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

स्वच्छता जागरूकता को और बढ़ाने के लिए साहिबगंज स्टेशन के विभिन्न स्थानों पर एंटी-लिटरिंग डिस्प्ले बोर्ड लगाए गए, जिन पर कचरा फैलाने के दुष्प्रभाव और स्वच्छता नियमों की जानकारी दी गई है। मालदह मंडल ने स्वच्छता अभियान की गति को बनाए रखने और यात्रियों, कर्मचारियों व स्थानीय समुदाय में साझा जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

भारतीय संस्कृति के प्रति उच्च भावना के प्रतीक थे फिराक गोरखपुरी : प्रमोद शाह

कोलकाता : प्रसिद्ध शायर फिराक गोरखपुरी भारत और भारत के प्रति उच्च भावना रखते थे और उसकी महानता के बारे में बिना किसी कुंठा और पूर्वाग्रह के बोलते थे।उनका कहना था कि यदि आप हिन्दू विरोधी है तो आप भारत विरोधी है।भारत कोई बैंक नहीं जिसमें आध्यत्मिक और सांस्कृतिक रूप से अलग-अलग लोगों के एकाउंट्स हो।भारत एक ऐसा घर है,जिसमें उन्हें रहने का अधिकार है,जो अन्तर्मन से भारतीय हो।हमें भारत को अपने अंदर बसाना है।जब भारत हमारे लहू में रच उठेगा तभी संगठित राष्टीयता का हमारा सपना साकार होगा।ये बातें कृष्ण बिहरी मिश्र अध्ययन मण्डल के तत्वावधान में फिराक का भारत प्रेम विषयक विचार गोष्ठी में प्रधान वक्ता साहित्यकार प्रमोद शाह ने भारतीय भाषा परिषद सभा कक्ष सभागार में कही। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए डा .वसुमति डागा ने पद्मश्री से सम्मानित डा.कृष्ण बिहारी मिश्र को स्मरण करती हुई कही कि वे अपने सृजन की हर विधा में अंधेरी

ताकतों के खिलाफ पूरी तेजस्विता के साथ दिखाई देते हैं।उनके आजीवन तपस्या का मूर्तरूप है ठाकुर रामकृष्ण परमहंस के जीवन आधारित उनकी रचना कल्पतरू की उत्सव लीला।फिराक के बारे में उन्होंने कहा,फिराक भारतीय संस्कृति और दर्शन की जड़ों से जुड़े शायर थे।इसलिए उनकी रचनाएं जीवन संग्राम में और प्रतिकूल परिस्थिति में भी पाठक को जीवनी शक्ति से भर देती है और हमेशा प्रेम व जीवन का संगीत सुनाती रहेगी।

डा. रेशमी पांडा मुखर्जी ने संस्था की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। अजयेन्द्र कुमार त्रिवेदी ने कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कमलेश मिश्र, डा.अनिल कुमार शुक्ल विजय कानोड़िया,अजय अग्रवाल, रामनाथ महतो,शशांक प्रिय मिश्र,राम कथाव-ाचक पुरूषोत्तम तिवारी, संजय कुमार राय, लखन कुमार सिंह, रवि प्रताप सिंह, जीवन सिंह, डा.दिव्या प्रसाद, नंद लाल सेठ, प्रदीप धानुक सहित अन्य गणमान्य लोग मंजूद रहे।

कोलकाता हवाईअड्डे पर रक्षा बंधन पर सुरक्षा कर्मियों का सम्मान समारोह

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के एनएससीबीआई हवाईअड्डे पर रक्षा बंधन के पावन अवसर पर शनिवार को एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सीआईएसएफ कर्मियों और अन्य सुरक्षा बलों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने हवाईअड्डे की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाई। इस आयोजन का उद्देश्य सुरक्षा कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करना और उन्हें राष्ट्रभक्ति के इस पर्व पर सम्मानित करना था। यह कार्यक्रम एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के महिला कल्याण संघ 'कल्याणमयी' और हवाईअड्डा प्रशासन के संयुक्त प्रयास से संपन्न हुआ।

हवाईअड्डा निदेशक डॉ. बौरिया ने समारोह में कहा, हमारे सुरक्षा जवानों का समर्पण और निष्ठा अतुलनीय है। वे अपने परिवार से दूर रहकर भी हवाईअड्डा और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। रक्षा बंधन के इस पावन पर्व पर उनके साथ जुड़ना हमारे लिए गर्व की बात है। 'हर घर तिरंगा' अभियान हमें देशभक्ति की भावना को और मजबूत करने का अवसर देता है।

इच्छामती नदी से नाव निकालने की कोशिश में वृद्ध की डूबकर मौत

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिला के बनगांव में इच्छामती नदीं से नाव को निकालने की कोशिश में वृद्ध व्यक्ति की डूबकर मौत हो गई। मृतक की पहचान नारायण चंद्र सरकार (81) के रूप में की गई है। बताया गया है कि नाव बनगांव नगरपालिका के वार्ड 6 के निमाई घाट पर बंधी रहती थी। सेवानिवृत्त शिक्षक नारायण चंद्र सरकार उसी इलाके में रहता था। व्यक्ति व्यक्ति के पिता की एक नाव स्मृति के रूप में नदी किनारे बंधी रहती थी। व्यक्ति कभी-कभार नदी किनारे जाता और उस नाव में बैठता। कभी-कभी वह मछली पकड़ता था। कई दिनों से भारी बारिश के कारण बनगांव नगरपालिका में कई जगहें जलमग्न हो गईं है। इच्छामती नदी का जलस्तर भी बढ़ गया है। प्रशासन ने इच्छामती नदी पर रेड अलर्ट जारी कर दिया है। शनिवार की सुबह वृद्ध व्यक्ति नाव देखने गया था। तब उसने देखा कि नाव पानी में डूब सकती है। जैसे ही पानी बढ़ा, उसने नाव को किनारे पर खींचने की कोशिश की। और तभी, दुखद घटना घटी। व्यक्ति इच्छामती के पानी में गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि वह तैरना जानता था, फिर भी वह पानी में डूब गया। परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने खोज शुरू की। सूचना बनगांव पुलिस स्टेशन को दी गई। पुलिस भी मौके पर पहुंची। लगभग दो घंटे के बाद वृद्ध को बचा लिया गया। जब उन्हें बनगांव अस्पताल ले जाया गया, तो डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बरहट हॉल्ट स्टेशन की आधारशिला समारोह में सांसद ने किया शिलान्यास

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के मालदह डिवीजन के अंतर्गत कुरमाहट और हंसदीहा स्टेशनों के बीच प्रस्तावित बरहट हॉल्ट स्टेशन के लिए शनिवार को आधारशिला रखी गई। इस अवसर पर सांसद निशिकांत दुबे ने यह शिलान्यास किया, जिनके साथ मालदह के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। डीआरएम मालदह मनीष कुमार गुप्ता ने बताया कि यह हॉल्ट स्टेशन डुमका और गोदड़ा की ओर जाने वाली सभी ट्रेनों के लिए ठहराव स्थल के रूप में काम करेगा, जिससे आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी। सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि यह स्टेशन न केवल यात्रियों के लिए लाभकारी

होगा, बल्कि स्थानीय वस्तुओं के परिवहन और क्षेत्र के सामाजिक - आर्थिक विकास में भी मददगार साबित होगा। उन्होंने बताया कि स्थानीय निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए यह हॉल्ट स्टेशन बनाया जा रहा है, जिससे हजारों लोग सीधे और आसानी से रेल सेवा का लाभ उठा सकेंगे। बरहट हॉल्ट स्टेशन का निर्माण लगभग 3.39 करोड़ रुपये की लागत से होगा। इसमें 1000 वर्ग फुट का वेटिंग हॉल, टिकट काउंटर, पुरुष एवं महिला शौचालय, उच्च स्तर का प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म शेड, पानी की व्यवस्था, पंखे और लाइटिंग जैसी आधुनिक सुविधाएं दी जाएंगी।

हावड़ा मंडल ने चलाया स्वच्छता हस्ताक्षर अभियान, यात्रियों को दिलाई स्वच्छता की शपथ

कोलकाता : स्वच्छता और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार का संदेश फैलाने के उद्देश्य से पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल ने स्वच्छता हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया। यह अभियान हावड़ा, रामपुरहाट, ऋषरा, पाकुड़, श्रीरामपुर, बर्द्धमान, पांडुआ, बैंची, आजीमगंज और कटवा सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर आयोजित किया गया।

इस अवसर पर रेलवे कर्मियों और यात्रियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वच्छता प्रतिज्ञा दीवार पर हस्ताक्षर कर स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस पहल का उद्देश्य न केवल स्टेशनों को स्वच्छ रखना था, बल्कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत नागरिकों में साझा जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी था।

सक्रिय भागीदारी के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वच्छता बनाए रखना एक सतत और सामूहिक प्रयास है। हावड़ा मंडल ने अपने यात्रियों के लिए स्वच्छ, सुखद और सतत यात्रा वातावरण प्रदान करने की प्रतिबद्धता दोहराई और सभी से आग्रह किया कि वे अपने दैनिक जीवन में भी स्वच्छता के संदेश को आगे बढ़ाएं।

जलपाईगुड़ी सुधार गृह में मौत की सजा पाए दोषी का लटकता शव बरामद

जलपाईगुड़ी : मौत की सजा पाए एक कैदी का शव जेल के अंदर लटका मिला। यह रहस्यमयी घटना जलपाईगुड़ी केंद्रीय सुधार गृह में हुई। मृतक की पहचान सुरेश रॉय के रूप में हुई है। जेल ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पता चला है कि सिलीगुड़ी के उदय कॉलोनी निवासी सुरेश रॉय पर हत्या का आरोप था। उसके मामले की सुनवाई जलपाईगुड़ी अदालत में हुई। 29 मार्च को अदालत ने उसे हत्या के मामले में मौत की सजा सुनाई थी। सुरेश जलपाईगुड़ी केंद्रीय सुधार गृह में एक अलग कोठरी में कैद था। गत शुक्रवार की रात उसे कोठरी के अंदर लटका देखा गया। घटना की जानकारी मिलने पर जेल प्रहरियों ने आनन-फानन में युवक को बचाया और जेल अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उसकी जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती तौर पर, जेल अधिकारी इस घटना को 'आत्महत्या' मान रहे हैं।

सिंगुर मामले में टाटा को 766 करोड़ रुपये के मुआवजे पर हाई कोर्ट में होगी सुनवाई

❑ **सुप्रीम कोर्ट में ममता सरकार की याचिका को कर दिया खारिज**

नई दिल्ली/कोलकाता : सुप्रीम कोर्ट ने मध्यस्थ न्यायाधिकरण के अध्यक्ष के खिलाफ ममता सरकार द्वारा दायर मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले को बरकरार रखा है। साथ ही शीर्ष अदालत ने राज्य की याचिका खारिज कर दी। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिंगुर में नैनो कार फैक्ट्री नहीं लगने पर टाटा मोटर्स को 766 करोड़ रुपये के मुआवजे के मामले की सुनवाई कलकत्ता हाई कोर्ट करेगा। मामले की सुनवाई 12 अगस्त को न्यायमूर्ति अनिरुद्ध राय की पीठ में होनी है। तीन सदस्यीय मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने ममता सरकार को सिंगुर में नैनो फैक्ट्री बनने के बावजूद आंदोलन के चलते वहां से जाने को मजूबर होने को लेकर टाटा समूह को 765 करोड़ 78 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया था। मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने राज्य को 30 अक्टूबर, 2023 तक मुआवजा देने को कहा था। उस आदेश के बाद टाटा समूह ने नेशनल स्टाक एक्सचेंज को बयान जारी कर बताया था कि सिंगुर की आटोमोबाइल फैक्टरी मामले का निपटारा तीन सदस्यीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने 30 अक्टूबर, 2023 को किया था। न्यायाधिकरण ने सर्वसम्मति से टाटा मोटर्स को 765.78 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया। साथ ही, एक सितंबर, 2016 से पूरा मुआ-वजश वसूल होने तक 11 प्रतिशत की दर से ब्याज देने का आदेश दिया गया था। राज्य ने इस फैसले के खिलाफ कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाई कोर्ट ने उन्हें मामला दायर करने की अनुमति दे दी। राज्य ने तर्क दिया कि टाटा मोटर्स मध्यस्थता न्यायाधिकरण के अध्यक्ष और सेवानिवृत्त न्यायाधीश वीएस सिरपुरकर के करीबी हैं। दरअसल, मामले की सुनवाई के दौरान उन्हें टाटा समूह के विभिन्न कार्यक्रमों में देखा गया था। राज्य ने पक्षपात का आरोप लगाते हुए मध्यस्थता न्यायाधिकरण के फैसले को रद करने के लिए हाई कोर्ट का रुख किया। 19 जून को हाई कोर्ट के जस्टिस अनिरुद्ध राय ने राज्य की याचिका खारिज कर दी। हाई कोर्ट ने कहा कि मध्यस्थता न्यायाधिकरण के अध्यक्ष के खिलाफ आरोपों का कोई कानूनी आधार नहीं है। हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए राज्य ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। राज्य द्वारा दायर मामले को खारिज कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुआवजे के मामले की सुनवाई हाई कोर्ट में होगी।

महेश्तला में व्यक्ति का फांसी से लटकता मिला शव

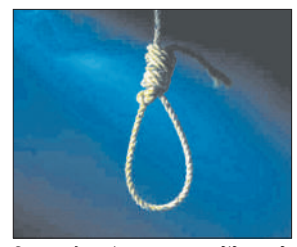

कोलकाता, समाज्ञा : महेश्तला नगरपालिका के 25 नंबर वार्ड स्थित निश्चिंतपुर खालपाड़ इलाके में शनिवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई है। काम से लौटकर दीपा नंदी जब अपने घर का दरवाजा खोलीं तो वह सन्न रह गईं। कुछ ही देर पहले उन्होंने अपने पति श्यामल नंदी को चाय पिलाई थी, लेकिन अंदर जाकर उन्होंने उन्हें छत से लटका पाया। श्यामल नंदी लगभग 60 वर्ष के थे और विभिन्न शारीरिक समस्याओं से पीड़ित थे, जिसकी वजह से वे कई दिनों से बीमार होने के कारण घर में ही थे और काम पर नहीं जा पा रहे थे। उनकी पत्नी दीपा, जो उनकी देखभाल के लिए घर के बाहर काम करती थीं, शनिवार को काम पर गई थीं। दीपा के लौटने पर घर का दरवाजा खुला मिला और अंदर जाकर उन्होंने अपने पति को फांसी पर लटका पाया। उनकी चीख सुनकर आसपास के पड़ोसी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल से शव बरामद कर बेहाला विद्यापीठ अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दीपा ने बताया कि सुबह उन्होंने श्यामल को चाय पिलाई थी, वे चाय और पानी दोनों पी चुके थे। इस मामले की पुलिस जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दी राखी की शुभकामनाएं

कोलकाता, समाज्ञा : रक्षाबंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। हालांकि, इस अवसर पर भी ममता बनर्जी ने बंगाल की अस्मिता और भाषा का राग अलापा है। उन्होंने इस पवित्र पर्व पर राज्यवासियों को शुभकामनाएं देते हुए बंगाल की संस्कृति, परंपरा और प्राकृतिक संपदा को याद करते हुए कहा कि बंगाल की माटी, बंगाल का जल, बंगाल की हवा, बंगाल का फल -पुण्य हो, पुण्य हो, पुण्य हो हे भगवान। ममता बनर्जी ने कहा कि राखी केवल भाई-बहन के रिश्ते का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, प्रेम और एकता का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पर्व समाज में सौहार्द और भाईचारे को और मजबूत करेगा।

तृणमूल विधायक लवली मैत्रा ने वामपंथी नेता सुजन चक्रवर्ती को बांधी राखी

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल विधायक लवली मैत्रा ने माकपा नेता सुजन चक्रवर्ती को राखी बांध कर राजनीतिक सौहार्द की मिसाल पेश की है। शनिवार को पश्चिम बंगाल युवा कल्याण विभाग और सोनारपुर ब्लॉक की ओर से सोनारपुर के तेमथा इलाके में राखी बंधन का आयोजन किया। लवली मैत्रा वहां मौजूद थीं। सुबह से ही वह छोटे-बड़े सभी को मुस्कुराते हुए राखी बांध रही थीं। उस समय वामपंथी नेता सुजन चक्रवर्ती वहां से गुज़र रहे थे। वह लवली के विधानसभा क्षेत्र के निवासी हैं। वामपंथी नेता को देखकर तृणमूल विधायक राखी बांधने के लिए आगे बढ़ीं। सुजन ने भी मुस्कुराते हुए इसे स्वीकार किया। राखी बांधने के बाद लवली ने कहा, सुजन दा मेरे विधानसभा क्षेत्र में रहते हैं, वह मुझसे उम्र में बड़े हैं। मेरे अभिभावक हैं। उनका भविष्य मंगलमय हो, वह स्वस्थ रहें। मैं सभी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहती हूं। सुजन ने कहा कि बहन अपने भाई की सलामती के लिए राखी बांधती है। और भाई उसकी रक्षा की ज़िम्मेदारी लेता है।

कल से दौड़ेगी राज्य की पहली एसी लोकल ट्रेन, आज उद्घाटन

❑ **पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल में राणाघाट तक चलेगी यह ट्रेन**

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल को रविवार से पहली वातानुकूलित (एसी) लोकल ट्रेन मिलने वाली है। लोकल एसी ट्रेन चलने से आम लोगों को जो लोकल ट्रेन से यात्रा करते हैं उन्हें गर्मी से राहत मिलेगी। चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फ़ैक्टरी (आइसीएफ) द्वारा विकसित, यह नई एसी ईएमयू ट्रेन राज्य के रेल नेटवर्क में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। यह ट्रेन पूर्वी रेलवे के सियालदह मंडल को आवंटित की गई है। बंगाल की पहली एसी लोकल ट्रेन सियालदह और राणाघाट के बीच चलेगी। लोकल ट्रेन यह पूरी दूरी 01:40 घंटे में तय करेगी। ट्रेन 110 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति से चलेगी। पूर्व रेलवे ने कहा कि यह एक सरपट दौड़ने वाली सेवा होगी जिसमें महत्वपूर्ण स्टेशनों पर कम ठहराव होंगे, जिससे यह परिवहन का एक प्रीमियम उपनगरीय साधन बन जाएगा।

❑ **न्यूनतम किराया 35 रुपये और अधिकतम 120 रुपये**

सियालदह से राणाघाट जाने वाली एसी लोकल ट्रेन में स्टेनलेस स्टील बाडी वाले 12 बोगी पूरी तरह से वातानुकूलित है और इसमें 1,126 यात्रियों के बैठने की जगह है। यह ट्रेन अपनी यात्रा के दौरान चकदाह, कल्याणी, कांचरापाड़ा, नैहाटी, बैरकपुर, खरदाह, सोदपुर, दमदम और विधाननगर स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन का किराया पूरी यात्रा के लिए 120 रुपये है, जो बेहद किफायती है और सबसे कम किराया 35 रुपये है। इसके अलावा, दैनिक यात्रियों को टिकट के कई विकल्प उपलब्ध हैं, जैसे कि वे दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक और मासिक टिकटों में से चुन सकते हैं। इस ट्रेन का उद्घाटन रविवार को सियालदह से होगा और ट्रेन का संचालन सोमवार को राणाघाट से शुरू होगा। ट्रेन इंटरनल स्पेस काफी बेहतर है और एंड-टू-एंड वेस्टिबुल कनेक्टिविटी है। सीसीटीवी लगे हैं और यात्रियों को आपातकालीन स्थिति में ड्राइवर/गार्ड से संपर्क करने के लिए टाक-बैक स्विच दिया गया है। जीपीएस-सक्षम एलईडी डिस्प्ले लगा है जिससे यात्रियों को टाइम और यात्रा संबंधित घोषणाएं दिखाई सुनाई देंगी। सभी डिब्बों में डबल-सील्ड ग्लास खिड़कियां लगी हैं ताकि यात्रियों को आराम से बैठकर बाहर के मनोरम दृश्य दिखाई देंगे। सभी दरवाजे विद्युत चालित स्लाइडिंग हैं, जो गंतव्य स्टेशनों पर पहुंचने के बाद ही खुलेंगे, जिससे यह सेवा सबसे सुरक्षित और कुशल बन जाएगी।

बंगाल में गूंजेगी भक्ति की गंगा, पूज्य बागेश्वर धाम सरकार का आगमन

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल की पावन भूमि पर शीघ्र ही भक्ति और श्रद्धा का महासंगम होने जा रहा है। पूज्य बागेश्वर धाम सरकार के पावन आगमन से प्रदेश में अध्यात्म की अविरल धारा प्रवाहित होगी। यह अद्वितीय अवसर भक्तजनों के लिए जीवन में एक बार मिलने वाली अमूल्य सौगात के समान है। इस महाआयोजन का सौभाग्य कौशल्या नंदन धर्म जागरण समिति को प्राप्त हुआ है, जिसके तत्वावधान में यह दिव्य कार्यक्रम संपन्न होगा। समिति के प्रमुख सदस्य श्री राहुल पांडे एवं श्री राहुल शाह अपने विशेष प्रयासों और सक्रिय सहयोग से इस आयोजन को भव्यता प्रदान कर रहे हैं। पूज्य सरकार के श्रीचरणों का स्पर्श न केवल श्रद्धालुओं के हृदय को आनंदित करेगा, बल्कि पूरे प्रदेश में आध्यात्मिक जागरण और सद्भाव का अद्वितीय वातावरण निर्मित करेगा।

सीबीआई ने राजस्थान से बंगाल की लापता नाबालिग लड़की को किया बरामद, पांच आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली/कोलकाता : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने राज्य के बर्दवान से लापता एक नाबालिग लड़की को राजस्थान के पाली से बरामद किया है। कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने 16 फरवरी 2024 को मुकदमा दर्ज किया था। लापता नाबालिग लड़की 9 अगस्त 2023 को ट्यूशन के लिए गई थी और वापस नहीं लौटी। यह आशंका जताई गई थी कि उसका गलत इरादे से अपहरण किया गया था। शुरुआत में, मामले की जांच स्थानीय पुलिस और फिर पश्चिम बंगाल सीआईडी ने की थी। इसके बाद, लापता नाबालिग लड़की की मां की याचिका पर हाई कोर्ट ने मामला सीबीआई, एससीबी, कोलकाता को स्थानांतरित कर दिया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी और कॉल डिटेल रिकॉर्ड के आधार पर पता चला कि लापता लड़की को संभवतः राजस्थान के पाली जिले में भेजा गया होगा। इस पर सीबीआई की टीम राजस्थान के पाली पहुंची। सूचना की पुष्टि करने के बाद सीबीआई के अधिकारियों ने शुक्रवार को लापता लड़की को पाली में आरोपी के घर से बरामद किया। जांच से पता चला है कि लड़की लापता होने के समय नाबालिग थी और उसकी शादी के लिए बनाए गए हलफनामों में उसे बालिग दिखाया गया था। उसे शादी के लिए दो बार बेचा गया था। नाबालिग लड़की की बरामदगी के बाद सीबीआई ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। केंद्रीय जांच एजेंसी ने पाली की अदालत में सभी आरोपियों को पेश किया, जहां से 3 दिनों के लिए ट्रांजिट रिमांड प्रदान किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में भरत कुमार, जगदीश कुमार, मीना दपुबेन, रता राम और दिलीप कुमार शामिल हैं।

हुगली में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षा बंधन

हुगली : जिले में रक्षा बंधन का पर्व हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत सभी थाना प्रभारी और ट्रैफिक इकाइयों के अधिकारियों ने राहगीरों और छोटे बच्चों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। बहनों ने भाइयों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की, वहीं भाइयों ने बहनों की रक्षा का वचन दिया। सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए बहनों ने बिना हेलमेट बाइक चलाने वाले भाइयों से हेलमेट पहनकर सुरक्षित यात्रा करने का संकल्प भी दिलवाया। चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त अमित पी. जावलगि ने नन्हे स्कूली छात्रों से अपने कलाई पर राखी बंधवाई उन्हें उपहार भेंट किया। आईपीएस, और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने विशेष रूप से सक्षम बच्चों और पुलिस कर्मियों से राखी बंधवाकर प्रेम और एकता का संदेश दिया। पवित्र निमाई तीर्थ घाट समेत सभी थानों और ट्रैफिक इकाइयों में पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम आयोजित हुए। यह पर्व सांप्रदायिक सौहार्द, भाईचारे और सामाजिक एकजुटता का सजीव प्रतीक बना, जिसने पुलिस और जनता के बीच विश्वास और अपनत्व का बंधन और मजबूत किया।

आरजी कर कांड : दिलीप घोष ने सीबीआई जांच पर उठाए सवाल, तृणमूल पर जनआंदोलन दबाने का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : आरजी कर पीड़िता के माता-पिता ने सीबीआई की भूमिका पर अपना गुस्सा जाहिर किया है। अब भाजपा नेता दिलीप घोष भी उनके सुर में सुर मिलाते नजर आए। शनिवार को पत्रकारों से रूबरू होते हुए उन्होंने भी सीबीआई जांच पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब इतने जघन्य अपराध में न्याय नहीं मिलता है, तो स्वाभाविक रूप से इसमें शामिल सभी पक्षों पर सवाल उठेंगे। अदालत के माध्यम से एक नई निष्पक्ष जांच शुरू की जानी चाहिए। बहुत सी जानकारियों को नजरअंदाज किया गया है। जिन लोगों ने जांच की थी, उन्हें छोड़ दिया जाना चाहिए और एक नई जांच एजेंसी को जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। मामले को लेकर हो रहे आंदोलन पर दिलीप घोष ने कड़े शब्दों में सत्ताधारी दल की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि न्यायालय से पीडिता के माता-पिता को अभी तक न्याय नहीं मिला है। वे सड़कों पर उतरे हैं क्योंकि आम लोगों का मानना है कि इस मामले में न्याय नहीं मिला है लेकिन सत्ताधारी दल इस घटना को दबाना चाहता है। सरकार इतनी सख़्त इसलिए है क्योंकि वह इस आंदोलन से डरी हुई है। दिलीप घोष ने नबान्न अभियान के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दावा किया कि यह आंदोलन अब किसी राजनीतिक दल तक सीमित नहीं रहा। इसने जनांदोलन का रूप ले लिया है। सरकार यह अनुमान नहीं लगा सकती कि कितने लोग सड़कों पर उतरेंगे। इसीलिए तृणमूल सरकार डरी हुई है। दिलीप घोष ने राज्य सरकार की भूमिका पर भी बात की। उन्होंने कहा कि जैसे ही लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू होता है, सरकार मुक़दमे दर्ज करके उसे दबाने की कोशिश करती है। जब सरकार दबाव में आती है, तो अपनी छवि बचाने के लिए तरह-तरह के दबाव बनाती है। डॉक्टरों को निलंबित या स्थानांतरित करके उन्हें दबाने की कोशिश की गई है। यह सरकार की मनमानी का सबूत है। मतदाता सूची और चुनाव आयोग द्वारा हाल ही में उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल बांग्लादेशी नागरिकों को मतदाता सूची में रखकर बंगाल की सत्ता में बने रहना चाहता है। हालांकि, अब चुनाव आयोग सक्रिय हो गया है, और लोगों को भी उम्मीद है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होंगे। बिहार की सफलता ने दिखा दिया है कि अगर प्रशासनिक सद्भावना हो तो कुछ भी असंभव नहीं है।

पार्क स्ट्रीट में रेस्टोरेंट में लगी आग

कोलकाता, समाज्ञा : पार्क स्ट्रीट स्थित एक नामी रेस्टोरेंट में शुक्रवार की रात अचानक आग लगने से अफरातफरी मच गई। रात लगभग 9:50 बजे लगी इस आग से रेस्टोरेंट और आसपास का इलाका घने काले धुएं से भर गया। सूचना पाकर दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और तेजी से बचाव एवं आग बुझाने का काम शुरू किया। दमकल कर्मियों की तत्परता से आग पर करीब डेढ़ घंटे के अंदर ही काबू पा लिया गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि आग का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। दमकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आग लगते ही रेस्टोरेंट में मौजूद लोगों को बाहर निकाल लिया गया। धुआं ज्यादा फैलने से आसपास के इलाकों में भी दहशत का माहौल बन गया था, लेकिन समय रहते स्थिति को संभाल लिया गया।

रक्षाबंधन पर दिखा सांप्रदायिक सौहार्द, भगवा रंग में पार्षद शाकिर अली ने मनाया पर्व

हुगली : रक्षाबंधन के अवसर पर रिसड़ा में एक बार फिर सांप्रदायिक सौहार्द की अटूट मिसाल देखने को मिली। रिसड़ा नगरपालिका के वार्ड संख्या 4 के पार्षद शाकिर अली ने भगवा परिधान धारण कर पूरे उत्साह के साथ रक्षा बंधन पर्व मनाया। सुबह से ही उन्होंने अपने वार्डकर्मियों के साथ विभिन्न वार्डों में जाकर नागरिकों को राखी बांधी, मिठाई खिलाई और बधाई दी। बाद में वे रिसड़ा नगरपालिका पहुंचे, जहां नगरपालिका के लॉबी और मुख्य मार्ग पर आम लोगों को राखी बांधी गई और लड्डू वितरित किए गए। इस मौके पर नगरपालिका के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इसके बाद पार्षद शाकिर अली अपने वार्ड स्थित रामकृष्ण आश्रम मठ पहुंचे और संस्थापक स्वामी स्वर्गीय प्रेमानंद जी महाराज की जयंती कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान श्रीरामपुर के विधायक डॉ. सुदीप्तो राय के हाथों विधायक फंड से बने 2 नए कक्षों का उद्घाटन किया गया। शाकिर अली ने कहा कि धर्म कोई भी हो, लेकिन उत्सव सबका समान होता है। उन्होंने युवाओं से स्वामी विवेकानंद के नैतिक सिद्धांत अपनाने की अपील करते हुए आपसी भाईचारे को देश की तरक्की की कुंजी बताया।

आईआईटी-केजीपी ने कई आत्महत्याओं के बाद विद्यार्थियों का ध्यान रखने के लिए डीन की नियुक्ति की

कोलकाता, समाज्ञा : जनवरी से अब तक छात्रावासों में रहने वाले चार छात्रों की संदिग्ध आत्महत्या के मद्देनजर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-खड़गपुर (आईआईटी-केजीपी) ने एक डीन की नियुक्ति की है जिनका एक मात्र काम छात्रों की भलाई का ध्यान रखना तथा उनकी मानसिक स्वास्थ्य स्थिति का आकलन करने के लिए उनसे गहन बातचीत करना है। निदेशक सुमन चक्रवर्ती ने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस प्रतिष्ठित संस्थान के महासागर, नदी, वायुमंडल और भूमि विज्ञान केंद्र के प्रोफेसर अरुण चक्रवर्ती को पांच अगस्त को 'विद्यार्थी कल्याण के डीन' के रूप में नियुक्त किया गया था और उन्होंने कार्यभार संभाल लिया है। निदेशक ने कहा कि अरुण चक्रवर्ती बीटेक पाठ्यक्रम के नए छात्रों के लिए आयोजित 'इंडक्शन' कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल हैं और उनके मुद्दों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। निदेशक ने आगे कहा कि आईआईटी खड़गपुर में वर्षों से छात्र मामलों के डीन का पद है, लेकिन अन्य संस्थानों की तरह, हमने यह नया पद केवल छात्रों के कल्याण, उनके समग्र विकास और किसी भी स्थिति में उनकी सहायता के लिए सृजित किया है। वह उनके मित्र होने के साथ-साथ उनके शिक्षक और मार्गदर्शक भी होंगे। निदेशक ने कहा कि नये डीन कार्यालय तक सीमित रहने के बजाय, वह छात्रों से समूहों में और निजी तौर पर जमीनी स्तर पर मिलेंगे। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि यह संभवत: पहली बार है कि देश के किसी संस्थान में 'छात्र कल्याण के डीन' का पद सृजित किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य छात्र कल्याण को ध्यान में रखना है। इसके अलावा छात्र मामलों के डीन का पद भी है। निदेशक ने बताया कि 'छात्र मामलों के डीन' का पद है, लेकिन 'छात्र मामले' और 'छात्र कल्याण' दो अलग-अलग बात है। छात्र मामलों के डीन का काम प्रशासनिक और शैक्षणिक मुद्दों से ज्यादा जुड़ा होता है, जबकि छात्र कल्याण के डीन का काम छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या यह नया पद (औपचारिक आधिकारिक अधिसूचना के साथ) सात महीनों में परिसर में चार छात्रों की कथित आत्महत्या के बाद सृजित किया गया है, निदेशक ने कहा कि हम चाहते हैं कि हमारे किसी भी बच्चे को अतिरिक्त दबाव और तनाव का सामना न करना पड़े।

पार्षद ने आम नागरिकों के साथ मनाया रक्षाबंधन उत्सव

कोलकाता : रक्षा बंधन के अवसर पर वार्ड 63 की पार्षद और बोरो सात की चेयरपर्सन सुष्मिता भट्टाचार्य चटर्जी ने अपने निवासियों की कलाई पर राखी बांधकर यह दिन मनाया। शनिवार को उन्होंने तृणमूल पार्टी ब्लॉक ऑफिस, लाउडन स्ट्रीट, शेक्सपियर सरणी, लिंडसे स्ट्रीट, सदर स्ट्रीट, चौरंगी लेन, रफी अहमद किदवई रोड, मिर्जा गालिब स्ट्रीट के आम लोगों को राखी बांधी। इसके पश्चात उन्होंने शेक्सपीयर सरणी और पार्क स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के अधिकारियों को भी राखी बांधी और राष्ट्रीय एकता व भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर वार्ड 63 के तृणमूल अध्यक्ष बबलू पाइन, पूर्व युवा अध्यक्ष शेखअली जान और टीएमसी महिला की उपाध्यक्ष सबीहा इस्लाम गुड़िया सहित अन्य तृणमूल कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बहरामपुर जा रही बस जलाशय में पलटी, 10 घायल

मुर्शिदाबाद : जिले में डोमकल से बहरामपुर की ओर जा रही एक निजी यात्री बस रविवार सुबह नियंत्राण खो बैठी और सड़क किनारे स्थित जलाशय में पलट गई। इस दुर्घटना में कम से कम 10 लोग घायल हो गए हैं। घायलों डोमकल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ले जाया गया है। दुर्घटनास्थल पर डोमकल पुलिस और दमकल कर्मचारी पहुंचकर बस को हटाने का कार्य कर रहे हैं। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, बस जालंगी और डोमकल होते हुए बहुरामपुर जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि एक गाड़ी को ओवरटेक करने के दौरान बस के सामने से एक अन्य वाहन आ गया। इससे बस का नियंत्रण खो गया और वह सड़क के किनारे जलाशय में पलट गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना स्थल पर पहुंचकर, बस के शीशे तोड़कर कई घायल यात्रियों को बाहर निकाला और अस्पताल भेजा। घायलों की संख्या 10 से 15 के बीच हो सकती है, जिनमें कुछ की स्थिति गंभीर है।

बंगाल में मोबाइल पासपोर्ट वैन सेवा शुरू

दूरदराज के लोगों की सुविधा के लिए पासपोर्ट वैन खुद आएगी घर के पास

कोलकाता, समाज्ञा : पासपोर्ट बनवाना अब और भी आसान हो गया है। पासपोर्ट बनवाने के लिए दूरदराज के लोगों को अब ज्यादा भागदौड़ नहीं करनी होगी। विदेश मंत्रालय के निर्देश पर क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, कोलकाता ने बंगाल के लोगों की सुविधा के लिए हाल में मोबाइल पासपोर्ट वैन सेवा की शुरुआत की है। ये पासपोर्ट वैन अब दूरदराज के इलाकों में पहुंचकर पासपोर्ट संबंधी सेवाएं मुहैया कराएगी। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी (आरपीओ) आशीष मिड्ढा, आइएफएस ने बताया कि 24 जुलाई को यहां मोबाइल पासपोर्ट वैन का शुभारंभ किया गया। इस पासपोर्ट वैन के माध्यम से पहला शिविर उत्तर 24 परगना के बारासात स्थित जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया।

उन्होंने बताया कि पहली बार शुरू हुई इस सेवा का दूरदराज के लोगों को बहुत लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि सितंबर से नियमित रूप से यह पासपोर्ट वैन सेवा राज्य में काम करेगा। आवेदकों की जरूरत के हिसाब से प्रत्येक सप्ताह में दो दिन दूरदराज के अलग-अलग क्षेत्रों में यह पासपोर्ट वैन उपलब्ध रहेगी।

अप्वाइंटमेंट बुकिंग के बाद पासपोर्ट आवेदकों को इस वैन के माध्यम से अपने दस्तावेजों की जांच प्रक्रिया, फिंगर प्रिंट व सत्यापन संबंधी औपचारिकताओं की सुविधा प्राप्त होगी। इसके लिए उन्हें पासपोर्ट कार्यालय नहीं जाना होगा। उन्होंने बताया कि इस पासपोर्ट वैन से एक दिन में 40 अप्वाइंटमेंट स्वीकार किए जाएंगे। विदेश मंत्रालय द्वारा मुहैया कराए गए इस वैन में पासपोर्ट अधिकारी व कर्मचारी आवेदकों के कागजातों का सत्यापन करेंगे।

आरपीओ मिड्ढा ने बताया कि इस सेवा के लिए सबसे पहले पासपोर्ट सेवा की वेबसाइट पर जाकर आनलाइन आवेदन करना होगा। यहां पर आपको मोबाइल पासपोर्ट सेवा का विकल्प मिलेगा। वेबसाइट पर यह दिखेगा कि मोबाइल वैन किस दिन किस क्षेत्र में रहेगा। जहां आप अपनी सुविधा के अनुसार अप्वाइंटमेंट बुक कर सकते हैं। अप्वाइंटमेंट के दिन, पासपोर्ट वैन संबंधित स्थान पर आएगी और आपके दस्तावेजों का सत्यापन करेगी।

आसानसोल जिला अस्पताल में नवजात लड़की को छोड़कर भागने की सनसनीखेज घटना

आसानसोल : आसानसोल जिला अस्पताल में इस घटना ने सनसनीखेज स्थिति पैदा कर दी है। घटना के प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, शुक्रवार देर रात एक महिला अस्प-ताल के इमरजेंसी विभाग के ठीक सामने दीवार के पास अचानक बैठ गईं। बाद में उन्होंने देखा कि वह प्रसूता कुछ छोड़कर भागने की कोशिश कर रही है। फौरन महिला को पकड़कर उसी जगह ले गए। वहां देखा कि एक नवजात बच्चा वहीं पड़ा है। स्टैंड के कर्मचारियों ने महिला से पूछताछ की तो पता चला कि वह आसानसोल के रेलपाड़ा की रहने वाली है। लेकिन उसने नवजात बच्चे को क्यों छोड़ा, इसका कोई सही जवाब नहीं दे पाई। नवजात और महिला दोनों को उनकी पहल पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले पर अस्पताल के सुपर निकिल चंद्र दास ने बताया, मुझे पता चला कि कल रात एक महिला बाहर से आई थी। वह अस्पताल में भर्ती नहीं थी। उसी अस्पताल के प्रांगण में उसका प्रसव हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने उस महिला को भर्ती कराया। फिलहाल महिला और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

किला मुबारक, बठिंडा, पंजाब

हमारी अनजानी धरोहर 78

डॉ. एस. के. सैनी

किला मुबारक बठिंडा की शान है और यह शहर के बीचो-बीच स्थित है इसका रखरखाव और संरक्षण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा किया जा रहा है।

कहां जाता है कि इसका निर्माण राजा दाब द्वारा छठी शताब्दी में हूण आक्रमणकारीयों के आक्रमण से बचाव के लिए किया गया था। आपको जानकर के आश्चर्य होगा कि भटिंडा का पुराना नाम विक्रमगढ़ और तबरहिंद था।

इस किले के 36 बुर्ज हैं और यह 118 फीट ऊंचा है यह किला कई कारणों से महत्वपूर्ण रहा है यही वह स्थान है जहां पर की दिल्ली की पहली महिला शासक रजिया सुल्तान को कैद किया गया था।

इस किले की एक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह किला मिट्टी से पकाई गई ईंटों के द्वारा बनाया गया है ना कि पत्थरों के द्वारा। भटिंडा पश्चिम क्षेत्र में है उत्तर पश्चिम क्षेत्र में है उत्तर पश्चिम भारत में है तो अफगानिस्तान के रास्ते आने वाले आक्रमण कारीयों को भी इसने झेला है इस पर महमूद गजनबी का भी अधिकार रहा है उसने भी यहां पर काफी मार काट मचाई और काफी सोना आभूषण लूट करके ले गया।

इस किले की स्थापत्य कला पर नजर डालें तो इस पर भारतीय इस्लामी वास्तुकला एवं पंजाबी वास्तु कला का महत्वपूर्ण मिश्रण रहा है इस किले पर सिख राजाओं का राज्य रहा है और उनमें सबसे महत्वपूर्ण आल्हा सिंह नाम के सिख राजा रहे हैं। इस किले को काफी मजबूती से बनाया गया था और उसी तरह से किलेबंदी की गई थी ताकि पश्चिमी विदेशी आक्रमणकारियों से सुरक्षा दी जा सके आक्रमण के समय में बठिंडा की जनता किले के अंदर आ जाती थी और वहीं से वह आक्रमणकारियों को जवाब देती थी।

रजिया सुल्तान दिल्ली के तख़्त पर बैठने वाली पहली एकमात्र मुस्लिम महिला थी, इन्होंने 1236 से लेकर 1240 तक राज किया। रजिया सुल्तान को उसी के वफादार मलिक अलतुनिया ने बठिंडा के किले में कैद कर लिया।बाद में मलिक और रजिया सुल्तान में सुलह हो गई और दोनों ने मिलकर एक सेना खड़ी की और कुलीन मुस्लिम सामंतों के विरुद्ध युद्ध किया।

1754 में पटियाला के महाराज-ाआल्हा सिंह ने इस बठिंडा के किले पर कब्जा कर लिया और अपने सिख राज्य का विस्तार किया कहते हैं कि इस किले का दौरा गुरु नानक और गुरु गोविंद सिंह जी ने भी किया था। यह किला मोहम्मद गौरी के आक्रमणों का शिकार रहा है इस तरह से बठिंडा के किला मुबारक में कई सारे आक्रमणों को झे ला है।रजिया सुल्तान और मालिक अल तु निया ने मजबूती से यहां पर सेना बनाई और फिर दिल्ली की और कूच किया किंतु बाद में उन्हें हार का सामना करना पड़ा और रजिया सुल्तान और मल्लिक की हत्या कर दी गई

कुछ आवश्यक फुटकेयर टिप्स

इंसान अपने चेहरे, गर्दन, हाथ और बाजुओं की सुरक्षा तो करता रहता है पर कई बार अपने पैरों की सफाई के प्रति लापरवाह रहता है। यह मत सोचिए कि पैरों की तरफ किसी का ध्यान नहीं जाता क्योंकि वे नीचे होते हैं। ऐसा सोचना आपकी भूल है।

सुन्दर आकर्षक व्यक्तित्व हेतु पैरों की सुन्दरता भी ज़रूरी है। कई बार जूतों के सही न होने से पैर बेडौल हो जाते हैं या उंगलियों पर गांठें बन जाती हैं। कभी-कभी लंबी बीमारी के कारण भी पैरों की खूबसूरती कम होने लगती है और कभी-कभी डायबिटिज़ होने पर भी पैरों के नाखून और त्वचा खराब हो जाते हैं। कारण जान कर उनकी ओर पूरा ध्यान दें। उनकी रक्षा और रख रखाव भी वैसे ही करें जैसे शरीर के अन्य भागों की करते हैं।

- पैरों को प्रतिदिन गुनगुने पानी से धोएं, उन पर साबुन लगायें और अच्छी तरह से तौलिए से साफ करें और सुखायें।
- उंगलियों के बीच के पानी को सुखायें ताकि उंगलियों में फंगस न लग पाये।
- पैरों को चोट लगने से बचाकर रखें।
- उंगलियों पर निकले कार्न और मस्सों के साथ छेड़खानी न करें, न ही किसी नुकीली चीज़ से छेड़ें।
- पैरों के नाखूनों को अधिक लंबा न होने दें। उनमें भरी मिट्टी बहुत बुरी लगती है। उन्हें समय-समय पर काटते रहें और फाइल करते रहें।
- पैरों को कभी भी तेज गर्म पानी से न धोएं। उससे पैरों की त्वचा खुश्क हो जायेगी।

- पैरों की त्वचा की खुश्की मिटाने हेतु पैरों पर मॉश्चराजिंग क्रीम या लोशन लगाते रहें। ध्यान रखें कि उंगलियों के बीच में इन्हें न लगाएं।
- सर्दियों में या ठंडी हवाएं चलने पर पैरों को नंगा न रखें। मोजे पहन कर रखें ताकि ठंडी सर्द हवाओं से त्वचा को नुक्सान न पहुंचे।
- बिना डॉक्टरी सलाह के पैरों के कार्न पर कोई दवा न लगाएं।
- नंगे पैरों से बाहर या घर पर न घूमें। इससे पैरों की एड़ियां फटने लगती हैं और त्वचा खराब होती है।
- जूते, चप्पल अधिकतर बिना हील के पहनें। थोड़े समय के लिए कभी-कभी हील वाले जूते-चप्पल पहन सकते हैं। फ्लैट जूते-चप्पल पैरों के लिए अधिक आरामदायक होते हैं।
- पैरों पर किसी प्रकार की सूजन आने पर या दर्द होने पर तुरन्त डॉक्टर को दिखाकर उचित इलाज करवायें। (उर्वशी)

छोटे बच्चों का लालन पालन

नीतू गुप्ता

हर स्त्री के लिए पहली बार मां बनना एक सुखद अहसास होता है पर बच्चे का लालन पालन करना आसान काम नहीं। दादी मां के अनुभवों से आप भी लाभ उठा सकते हैं अपने लाडले लाडलियों का पालन-पोषण करने में।

- बच्चे को एकांत स्थान पर अकेला न छोड़ें। न ही अकेला सोता छोड़ स्वयं घर से कहीं बाहर जायें।
- जब तक बच्चे में बैठने की क्षमता विकसित न हो, तब तक उसे बैठाने का प्रयास न करें। इससे बच्चे की रीढ़ की हड्डी पर कुप्रभाव पड़ता है।
- बच्चे को तेज हवा, तेज प्रकाश, तेज धूप, आंधी से बचा कर रखें।
- बच्चे को कभी भी ऊपर उठाकर उछालें नहीं। ऐसा करने से कोई भी दुर्घटना घट सकती है। बच्चे को बार-बार ऊपर नीचे भी न करें।
- बच्चे को दीवारों पर बनी परछाई को दिखाकर डरायें नहीं। इससे उसके उचित विकास में बाधा पड़ सकती है।
- बच्चे के हाथ में सिक्का, कील आदि कोई भी नोकदार वस्तु न दें। इससे वह स्वयं को नुकसान पहुंचा सकता है।
- बच्चे को कभी भी तालाब, नदी, नाले के पास अकेला न छोड़ें।
- सोते हुए बच्चों को एकदम न उठाएं।

इससे वो डर सकता है और बीमार भी पड़ सकता है। वैसे भी बच्चे को डराना उसके विकास के लिए उचित नहीं है।

- बच्चों को नर्म, सुखद बिस्तर पर लिटाएं। बच्चे को गीला और नंगा न छोड़ें। जब बच्चा जाग रहा तो तो उसे खेलने के लिए छोड़ दें और ध्यान रखें कि नीचे न गिरे। उसके आस-पास रहें।
- बच्चे को दिन में तीन चार बार अपनी छाती के साथ चिपटा कर प्यार अवश्य करें ताकि बच्चा अपने आप को सुरक्षित महसूस करे।
- बच्ची हो तो उसके कान जब वो आठ माह की हो जाए, तब छिदवाएं।
- बच्चों को कभी कंगन या ऐसे डिजाइन के लॉकेट न पहनाएं जिसके किनारे नोकदार या चुभाने वाले हों।
- प्रतिदिन बच्चों को स्नान करवा कर साफ सुथरे वस्त्रा पहनाएं। उनके नीचे पहनने वाले वस्त्रों को सप्ताह में एक बार डिटॉल वाले पानी से धोकर सुखाएं।
- बच्चों को नर्म व आगे से खुलने वाले वस्त्रा पहनाएं। वस्त्रा अधिक टाइट न हों।
- बच्चों के पेट में गैस बनने पर नाभि के चारों ओर दाएं से बाएं हल्के हाथों से मालिश करने से लाभ होता है। (उर्वशी)

अपने प्यार को खूबसूरत बनाएं

शिवांगी झांब

संसार में सबसे सुंदर रिश्ता प्यार का होता है। इंसान की जिंदगी में हर भावना का महत्त्व होता है चाहे वह प्यार की भावना ही क्यों न हो। अगर आपको प्यार का इजहार करना हो तो संकोच मत करिए और अपने पार्टनर को प्यार का इजहार निम्न बातों को मद्देनजर रख कर सकते हैं।

- सरप्राइज लेना और देना सबको अच्छा लगता है। कभी कभी अपने पार्टनर को सरप्राइज दें जिससे उन्हें अच्छा लगेगा।,
- एक दूसरे से हमेशा खूब प्यार करें। एक-दूसरे पर हमेशा भरोसा करें और कभी झूठ न बोलें।
- जब पार्टनर की कोई बात हर्ट करें तो ऐसा रास्ता निकालें ताकि आप उसे माफ कर सकें और रिश्ते भी सामान्य रहें।
- अपने ईगो को एक तरफ रखें। अगर आप सॉरी कह रहे हैं तो आपके एटीट्यूड से लगना चाहिए कि आप दुबारा ऐसा नहीं करेंगे।
- किसी भी झगड़े पर ज्यादा देर तक बहस न करें। मुद्दे को जल्दी से सुलझाएं। ज्यादा खींचें नहीं।
- ध्यान रखें कि इस दुनियां में कोई भी इंसान परफेक्ट नहीं होता पर अपने पार्टनर को आप हमेशा परफेक्ट समझें।
- सप्ताह में एक पूरा दिन अपने पार्टनर को दें और उसके साथ समय बिताएं। जो साथी को पसंद हो, वही करें।
- पार्टनर को कभी कभी छोटे उपहार जैसे फोटो मग, फोटो फ्रेम दें।
- किसी खास मौके पर अपने हाथ से कार्ड बना कर गिफ्ट करें जिसमें आपको साथी की कौन सी 10 बातें अच्छी लगती हैं, वे लिखें।
- किसी दिन उनके आफिस पहुंच कर उन्हें सरप्राइज दें और उन्हें लंच पर ले जाएं। यह ध्यान रखें कि उस दिन उनकी कोई जरूरी मीटिंग या काम न हो।
- किसी गार्डन में जो घर के पास या दूर हो, चुपचाप एक दूसरे के कंधे पर सिर रख कर बैठे और समय बिताएं। बिना ज्यादा बात किए भी कितना नजदीकीपन महसूस होगा।
- किसी दिन मौसम अच्छा हो तो अपने पार्टनर के साथ बोटिंग पर जाएं या कैंडल लाइट डिनर पर जाएं।
- अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक मूवी देखें।
- अपने बेडरूम को कैंडल्स और फलों से सजाएं।
- अपनी स्ट्रेस भरी जिंदगी से छुटकारा पाने के लिए आप कपल स्पा पर भी जा सकते हैं।
- साथ कुकिंग करने का आइडिया तो बहुत पुराना है। कभी कभी उन्हें अपने आप भी बनाने दें और आप किचन काउंटर पर बैठ कर उन्हें निहारें।
- कभी कभी एक दूसरे को निकनेम के बजाय प्रोफेशनल तरीके से पुकारें जैसे मिस या मिस्टर कह कर । इन सबसे नजदीकियां बढ़ती हैं। (उर्वशी)

घरेलू सामग्रियों से निखारें अपना सौंदर्य

पूनम दिनकर

आज महंगाई सुरसा की तरह मुंह फाड़े सामने खड़ी है, फिर भी अधिकतर महिलाएं अपने शरीर के रख-रखाव और सौंदर्य की देखभाल हेतु महंगे प्रसाधनों को खरीदने के लिए मजबूर हो जाती हैं। व्यावसायिक स्पर्द्धा के कारण प्रचार माध्यमों द्वारा विभिन्न प्रकार के सौंदर्य प्रसाधनों की गुणवत्ता का बखान किया जाता है और इनसे आकर्षित होकर महिलाएं जब दुकानों पर पहुंचती हैं तो उनके दामों को देख उन्हें झटका सा लगता है। ब्यूटी पार्लरों के अन्दर भी फेशियल, मसाज, मेनिक्योर, पेडिक्योर की इतनी ऊंची दरें होती हैं कि मध्यम वर्ग की महिलाएं वहां से बिना कुछ खास करवाये लौट आती हैं।

यदि हम थोड़ी सूझ-बूझ से काम लें तो अपने घर में उपलब्ध सामान द्वारा ही अपनी सुन्दरता में निखार ला सकती हैं। मुगल काल में या उससे पहले भी बेगमें व रानियां उबटन लगाती थी, सुगन्धित स्नान करती थी अपनी सौंदर्य वृद्धि हेतु। हम भी इसी तरह की पद्धतियों को अपनाकर, कुछ खाद्यों के उचित संयोजन से लाभदायक सौंदर्य प्रसाधन तैयार कर सकते हैं।

आइये, कुछ ऐसे ही सौंदर्य प्रसाधनों के बारे में जानें जिन्हें हम रसोईघर में मौजूद वस्तुओं से ही तैयार कर सकते हैं।

हल्दी:- थोड़ी हल्दी, थोड़ा सा कपूर का महीन चूर्ण, 4-5 बूंद सरसों तेल और चार चम्मच चने की दाल के बेसन को पानी या कच्चे दूध में घोलकर लेप तैयार कर लें। इसे लगाकर नहाने से त्वचा रोग दूर होते हैं और साथ ही साथ शरीर का रंग भी कुछेक दिनों में साफ होकर निखर जाता है।

रोज रात को दूध की मलाई में एक चम्मच चने या मसूर का बेसन और हल्दी मिलाकर चेहरे पर लगायें। आधे घंटे बाद रगड़ कर साफ कर लें लेकिन चेहरा पानी से सुबह ही धोयें। इसके उपयोग से चेहरा मुलायम और साफ रहेगा।

हल्दी, नींबू, दही, बेसन और कच्चे दूध को मिलाकर लेप तैयार कर लें। इसे गर्दन और चेहरे पर लगाने से आपका रंग बिल्कुल साफ होकर निखर आयेगा।

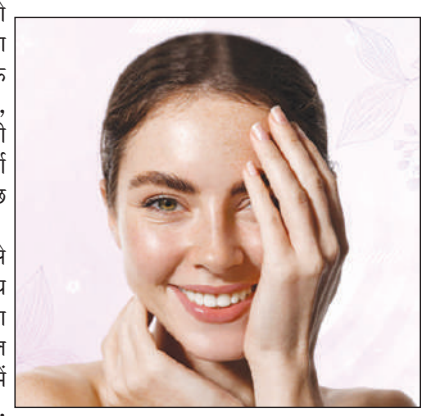

टमाटर:- ताजे लाल टमाटर के रस में दूध की मलाई मिलाकर चेहरे पर लगाने से तेज धूप लगने के कारण काली और झुलसी हुई त्वचा का रंग साफ हो जाता है और बचा हुआ गूदा लुग्दी का इस्तेमाल गर्दन की सफाई में करें।

चेहरे के दाग एवं धब्बों को मिटाने हेतु टमाटर और मूली के रस को मिलाकर लगायें। एक सप्ताह बाद ही परिवर्तन नजर आने लगेगा।

नींबू:- जैतून के तेल में नींबू के रस को मिलाकर लगाने से चेहरे की झाइयां दूर होती है।

नींबू के छिलके को कोहनी और नाखूनों पर रगड़ने से उनमें चमक आ जाती है और कोहनी का कालापन दूर हो जाता हैं।

सिर धोने के बाद नींबू का रस बालों में लगाकर सादे पानी से बालों को धो लें। यह कन्डीशनर का काम करता है।

नींबू का सेवन करने से चेहरे पर कांति बनी रहती है।

चाय:- चाय की पत्ती को उबालकर उस पानी से बाल धोने पर बालों का गिरना बंद हो जाता है।

चाय की पत्ती को उबाल कर उस के पानी में मेंहदी को भिगोकर लगाने से बालों में कालापन आ जाता है।

खीरा:- खीरे के टुकड़ों को आंखों के नीचे रगड़ने से आंखों के नीचे पड़े काले धब्बे दूर हो जाते हैं।

खीरे के रस में रूई भिगोकर पलकों के ऊपर रखकर 5-10 मिनट आंखें बंद कर लें। ऐसा करने से आंखों में ताजगी आती है।

दूध:- क्लींजिंग मिल्क की जगह कच्चे दूध से चेहरे और हाथों की सफाई करें। कच्चा दूध क्लीजिंग मिल्क का ही काम करता है। दूध में बेसन और चंदन का चूर्ण मिलाकर पतला लेप बना लें और चेहरे पर लगायें और सूख जाने पर चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। त्वचा पर चमक जाएगी।

आंखों में जलन और थकान होने पर दूध और गुलाबजल बराबर मात्रा में मिलाकर दो-चार बूंद आंखो में डालें। इससे जलन और थकान दोनों दूर हो जायेंगे।

मक्खन:- आजकल अधिकांशतः घरेलू महिलाओं की एड़ियां फट जाती हैं जिससे उन्हें बहुत तकलीफें उठानी पड़ती हैं। इससे बचने के लिए रात को सोने से पहले गर्म पानी से पैर को साफ कर लें और फिर थोड़ा सा मक्खन का लेप एड़ियों पर लगा लें। निश्चित ही आराम पहुंचेगा। महंगी क्रीम की जगह आप इसका इस्तेमाल करें। आपका बजट संतुलित रहेगा और आप भी औरों की तरह सौंदर्य की प्रतिमा नजर आयेंगी। बस थोड़ी सी चाहत और सूझबूझ.की आवश्यकता है। (उर्वशी)

ताकि खिलता रहे बोन्साई

कुछ प्लांटस काफी बड़े होते हैं। उन्हें गमलों में लगाकर उनकी कटाई छंटाई बहुत ध्यान पूर्वक कर बोन्साई तैयार किया जाता है। फिर इसे इनडोर प्लांट की तरह घर की शोभा बढ़ाने के लिए रखा जाता है। बोन्साई में फूलों वाले, फलों वाले, जूनिपर्स और पाइन्स जैसे पौधे होते हैं।

बोन्साई जितना मुश्किल से बनाया जाता है, उतना ही उसका ध्यान अधिक रखा जाता है तभी वो जिंदा रह सकता है। यदि उसका ध्यान ठीक से न रखा जाए तो वो सूख सकता है। वैसे बोन्साई के लिए छोटा पॉट ही चाहिए और मिट्टी भी कम। अगर मिट्टी का चयन ठीक न हो तो बोन्साई को अधिक समय तक जिन्दा रखना मुश्किल हो जाता है।

बोन्साई के लिए मिट्टी ऐसी होनी चाहिए जो पानी को रोक सके। इसके लिए सैंडी लोम मिट्टी उपयुक्त रहती है। ऐसी लोम मिट्टी न हो जो अधिक समय तक पानी को रोके रखे। इससे इसकी जड़ें खराब होने का खतरा रहता है। मिट्टी तैयार करते समय पूरी जानकारी ले लें। वैसे इसके लिए मिश्रित मिट्टी ही ठीक रहती है।

मिट्टी के साथ-साथ वातावरण भी अनुकूल होना जरूरी है।

कैसे करें देखरेख

- किसी भी बोन्साई को दो से तीन साल के बाद एक गमले में न रखें। उसे दूसरे गमले में शिफ्ट कर दें। गमला बदलते समय बोन्साई के आकार और उसके पत्तों के रंग का ध्यान रखें।

- जब लगे कि बोन्साई अधिक बढ़ना शुरू हो गया है और उसमें पत्तियां भी नई आने लगी हैं, ऐसे में दूसरे गमले में बदल लें ताकि उसे पूरी हवा और पानी मिल सके।
- वातावरण में जैसे ही तापमान 30 डिग्री पहुंचे तो उसे छाया में रखना प्रारंभ कर दें। बोन्साई की जड़ों में पानी स्प्रे के जरिए डालें। बर्तन से पानी न डालें इससे उसकी जड़ें मिट्टी से अलग हो जायेंगी।
- बोन्साई की कटिंग साथ-साथ तेज धार वाली कैंची से करते रहें।
- जब बोन्साई जड़ें पकड़ ले तो एक सप्ताह के बाद इसे बाहर रख दें और शाम होने से पहले इसे अंदर वापिस रखें।
- बोन्साई को उचित रोशनी और हवा की आवश्यकता भी होती है इसलिए इसे बाहरी वातावरण जरूर मिलना चाहिए बस ध्यान दें चिलचिलाती धूप और तेज हवा में इसे बाहर न रखें।
- ट्रिमिंग करते समय इसकी शेप का पूरा ध्यान रखें। (उर्वशी)

नव दंपतियों में आवश्यक है सतर्कता

पूनम दिनकर

दांपत्य जीवन का आधार दो आत्माओं का परस्पर आकर्षण और साहचर्य है, यह बात जानते-कहते तो सब हैं किन्तु अंतःकरण तक यह तथ्य बैठता कम ही लोगों में है। सुख और शांति की कामना तो प्रत्येक की होती है, परन्तु इस कामना को साकार रूप कैसे दिया जाए?

इसका विचार तथा उसके अनुसार आचरण करने के स्थान पर हमारा ध्यान उस ओर भटकने लगता है कि जीवन साथी से हमें अभीष्ट सुख-शांति नहीं प्राप्त हो रही है। इसमें सम्पूर्ण दोष उसी का है, मेरा कोई दोष है ही नहीं। इस विचार के मन में आते ही रोष, क्षोभ, जलन व पीड़ा का एक ऐसा क्रम शुरू हो जाता है जो समाप्त होता दिखता ही नहीं है।

यह स्वाभाविक भी है क्योंकि अशांति का बीज तो आपस की नासमझी में और एक-दूसरे के प्रति सद्भाव भरी आत्मीयता की कमी में ही छिपा होता है और उसे ढूंढा और थोपा दूसरे पर जाता है, इसलिए यह हमेशा स्मरण रखा जाना चाहिए कि दांपत्य जीवन कोई पका-पकाया वृक्ष नहीं है जिसे हिलाते ही मधुर स्वादिष्ट फल झरने लगेंगे।

यह तो ऐसा उद्यान है जिसका निर्माण, रख-रखाव और साज-संवार स्वयं ही करते रहना होता है। तभी जीवन सुरभित हो पाता है। इस कल्पवृक्ष को पहले स्वयं ही खाद-पानी देकर बाड़ लगाकर संरक्षण करते हुए बढ़ने देना होता है, तभी उससे आनन्द, उल्लास की मनचाही उपलब्धि हो पाती है। जब तक दांपत्य जीवन को एक साधना मानकर न चला जाएगा, उससे कोई भी सिद्धि संभव नहीं हो सकती।

नवदंपतियों को विशेष रूप से उन छोटी-छोटी बातों के प्रति सतर्कता बरतनी चाहिए जो प्रचलन वश सामान्य मानी जाती हैं किन्तु प्रभाव की दृष्टि से असामान्य होती हैं। इनमें से मुख्य हैं वधू द्वारा बात-बात में मायके की मुखर प्रशंसा करना और प्रकारांतर से ससुराल पर कटाक्ष करना। वर द्वारा वधू के मायके की छोटी-छोटी मीन-मेख निकालकर विनोद के बहाने उपहास, पड़ोसियों की चुगली पर कान धरना और भड़क उठना तथा वधू के प्रत्येक काम की नुक्ताचीनी में पति की भी मौन सहमति या चुप रह जाना आदि छोटी-छोटी बातों पर भड़क उठना दांपत्य में बाधा उत्पन्न करना होता है।

नए वातावरण में नववधू की अनुभूतियां अनोखी ही होती हैं। वह अत्यधिक संवेदनशील रहती है। ऐसे समय में उसके प्रति किया गया व्यवहार उस पर गहरी छाप छोड़ता है। यह सदा स्मरण रखना चाहिए कि वधू भले ही उस समय चुप रह जाती है परन्तु उसका मन अत्यधिक क्रियाशील और आंदोलित रहता है। वधू से अगर किसी प्रकार की कोई भूल भी हो जाए तो उसे उस पर डांटना, दुत्कारना या आलोचना करना अच्छा नहीं होता।

नववधू की आकांक्षा होती है कि उसका पति उसे दुलारे, सहलाये तथा उसके साथ सफल संभोग करे। प्रथम दिन से ही पति की उपेक्षा, जल्द दूर हो जाना, सिर्फ अपना ही सुख देखना आदि बातों का प्रभाव वधू के दिल पर काफी बुरा डालता है और दांपत्य का पौधा बढ़ने से पहले ही मुरझाने लगता है। इस बात का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए कि दांपत्य का ध्रुव सेक्स ही होता है। इसके माध्यम से ही दो शरीर, दो आत्मा एक होते हैं।

नववधू के लिए यह आवश्यक है कि वह दूसरों की बातों पर बिल्कुल ध्यान न देकर अपने दांपत्य की पटरी को सीधी रखने का प्रयास करती रहे। कई पड़ोसिनें छोटी-छोटी बातों से वधू को भड़काने की कोशिश भी करती हैं। अविश्वास, संदेह, असुरक्षा की भावना को त्यागकर ससुराल में परिवार का अंग बनने की ओर नववधू को पूरा ध्यान रखना चाहिए।

दांपत्य के बीच छोटी-छोटी बातों के प्रति भी लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए और न ही उनकी उपेक्षा ही करनी चाहिए। दांपत्य जीवन की सफलता सतत जागरूकता से ही संभव होती है। दो संवेदनशील चेतन प्राणी एक-दूसरे की भावन-ाओं, संवेदनाओं के प्रति जब पूरी तरह जागरूक रहेंगे तो स्वाभाविक है कि उनका ध्यान उन आघातों के प्रति भी अवश्य ही जाएगा।

एक दिन ऐसा भी आ पहुंचता है कि इन छोटी-छोटी बातों के कारण ज्वालामुखी फट पड़ता है और दांपत्य का गढ़ ढहकर ध्वस्त हो जाता है। इसलिए दांपत्य जीवन के प्रारंभ से ही सतर्कता आवश्यक होती है। (उर्वशी)

रेसिपी कार्नर

टमाटर चाट

पिछले साल जब अनंत अंबानी की शादी हुई थी, तो इसकी चर्चाएं विदेशों तक में हुईं थीं। इस शादी की सजावट से लेकर खान-पान तक ने मेहमानो का दिल जीता था। देश-विदेश के स्पेशल पकवानों को इस शादी की दावत के लिए तैयार किया गया था। इन्हीं पकवानों में शामिल थी बनारसी टमाटर चाट...। इस चाट को खाने के लिए लोग दूर-दूर से बनारस आते हैं।

ये चाट लोगों को काफी पसंद आती है, खासतौर पर अब जब बारिश का मौसम चल रहा है, तब तो मसालेदार टमाटर चाट की बात ही अलग होती है। अगर आप इसे घर पर तैयार करना चाहते हैं, तो ये लेख आपके लिए है।

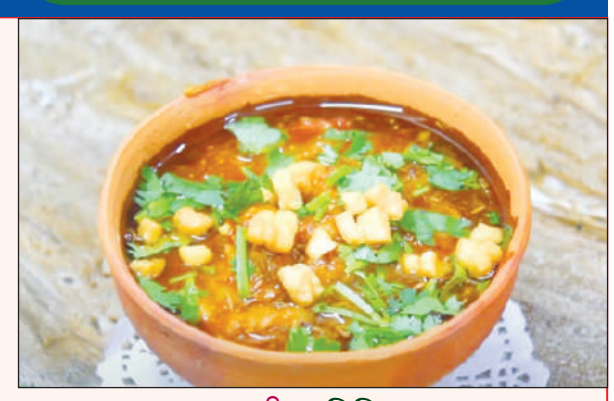

दरअसल, आप घर पर भी स्वादिष्ट बनारस चाट तैयार कर सकते हैं, इसके लिए आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी।

टमाटर चाट बनाने का सामान

पके टमाटर - 4 (कटे हुए)
उबले आलू - 2
देशी घी - 2 टेबल स्पून
हींग - एक चुटकी
अदरक (कद्दूकस किया हुआ) - 1 टीस्पून
हरी मिर्च - 1
भुना जीरा पाउडर - 1 टीस्पून
लाल मिर्च पाउडर - ट टीस्पून
काला नमक - स्वादानुसार
नमक - स्वादानुसार
इमली की मीठी चटनी - 2 टेबल स्पून
हरा धनिया - सजावट के लिए
बारीक सेव या चूरा

विधि

टमाटर की चाट बनाने के लिए सबसे पहले एक कड़ाही में देशी घी गर्म करें। जब घी गर्म हो जाए तो उसमें हींग, अदरक और हरी मिर्च डालकर हल्का भूनें।

जब मसाले भुन जाएं तो अब इसमें टमामटर मिक्स करें और उसे लगातार पकाएं। इसे तब तक पकाएं, जब तक कि पूरी तरह से गल न जाए। टमाटर के गलने के बाद उसमें उबले हुए आलू डालें।

इसे मिक्स करने के बाद इसमें भुना जीरा, लाल मिर्च, काला नमक, साधारण नमक और इमली की चटनी डालकर चलाएं। अब इस चाट को कम से कम 7-8 मिनट तक पकाएं। इससे मसाले पूरी तरह से मिक्स हो जाएंगे।

इसे पकने के बाद एक कुल्हड़ में निकाल लें। कुल्हड़ में चाट निकालने के बाद इसके ऊपर हरा धनिया और बारीक सेव डालें। ताकि इसका स्वाद कई गुना बढ़ जाए।

न्यूज इन ब्रीफ

निर्वाचन आयोग ने 334 पंजीकृत गैरमान्यता प्राप्त दलों को सूची से हटाया

नयी दिल्ली : निर्वाचन आयोग (ईसी) ने शनिवार को कहा कि उसने 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया है, जो 2019 से छह साल तक एक भी चुनाव लड़ने की आवश्यक शर्त को पूरा करने में विफल रहे हैं। इन दलों के कार्यालय भी कहीं नहीं मिले। निर्वाचन आयोग ने कहा कि ये 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल (आरयूपीपी) देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं। इस कवायद के बाद कुल 2,854 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से अब 2,520 ही बचे हैं। वर्तमान में, छह राष्ट्रीय दल और 67 राज्य स्तरीय दल हैं। इस साल जून में निर्वाचन आयोग ने 345 ऐसे दलों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की थी और अंततः 334 को सूची से हटा दिया। अधिकारियों ने बताया कि 2001 से अब तक, निर्वाचन आयोग निष्क्रिय आरयूपीपी को ''तीन से चार'' बार हटा चुका है। शीर्ष अदालत ने पहले यह कहते हुए निर्वाचन आयोग को राजनीतिक दलों की ''मान्यता रद्द'' करने से रोक दिया था कि यह कानून के तहत निर्धारित नहीं है। हालांकि, निर्वाचन आयोग ने ''राजनीतिक दलों को सूची से हटाने'' का एक तरीका खोज लिया है। आयोग के एक पूर्व पदाधिकारी ने बताया कि सूची से हटाए गए दलों को निर्वाचन आयोग बिना किसी नई मान्यता प्रक्रिया में उलझाए फिर से सूचीबद्ध कर सकता है। अतीत में कुछ आरयूपीपी को आयकर कानूनों और धनशोधन विरोधी कानून का उल्लंघन करते हुए पाया गया था।

भारत ने यूक्रेन संघर्ष पर अगले सप्ताह ट्रंप और पुतिन के बीच होने वाली बैठक का स्वागत किया

नयी दिल्ली : भारत ने यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के तौर-तरीकों पर चर्चा के लिए अलास्का में अगले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच होने वाली शिखर वार्ता का शनिवार को स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने इस कदम का समर्थन करते हुए कहा कि भारत इन प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार है। मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस निरंतर रुख को याद दिलाया कि ''यह युद्ध का युग नहीं है।'' भारत की यह प्रतिक्रिया अमेरिका और रूस द्वारा यह घोषणा किए जाने के कुछ ही घंटों बाद आई है कि ट्रंप और पुतिन यूक्रेन संघर्ष के मुद्दे पर अगले शुक्रवार को अलास्का में मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''भारत 15 अगस्त को अलास्का में होने वाली बैठक के लिए अमेरिका और रूस के बीच बनी सहमति का स्वागत करता है।''

रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर दिल्ली मेट्रो में एक दिन में रिकॉर्ड 81.87 लाख यात्रियों ने सफर किया

नयी दिल्ली : दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने शनिवार को कहा कि आठ अगस्त को उसके सभी कॉरिडोर पर रिकॉर्ड 81.87 लाख यात्रियों ने सफर किया। डीएमआरसी ने कहा कि यह एक दिन में सफर करने वाले यात्रियों की अब तक की सर्वाधिक संख्या है। पिछला रिकॉर्ड 18 नवंबर, 2024 को 78.67 लाख यात्रियों का था। अधिकारियों ने बताया कि अन्य अधिक सवारियों वाले दिनों में 20 अगस्त, 2024 को 77.48 लाख और 13 फरवरी, 2024 को 71.09 लाख यात्रियों ने सफर किया।

अरुणाचल प्रदेश में सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच गोलीबारी

ईटानगर : अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले में शनिवार तड़के उग्रवादियों और असम राइफल्स के बीच गोलीबारी हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संदिग्ध नगा उग्रवादियों ने तड़के तीन से चार बजे के बीच लाजू के पास नोग्लो में असम राइफल्स के शिविर को निशाना बनाकर गोलीबारी की। तिरप के पुलिस अधीक्षक (एसपी) आदित्य ने बताया कि असम राइफल्स के जवानों ने हल्की मशीनगनों से जवाबी कार्रवाई की, जिससे हमलावर भाग गए।

वोटी चोरी आरोप: शरद पवार ने राहुल गांधी का किया समर्थन, निर्वाचन आयोग से जांच की मांग की

नागपुर : राकांपा (शरद चंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को मांग की कि चुनावी प्रक्रिया की शुचिता और निर्वाचन आयोग की छवि के बारे में संदेह दूर करने के लिए आयोग विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए ''वोट चोरी'' के आरोपों की विस्तृत जांच कराये। पवार ने निर्वाचन आयोग द्वारा गांधी को हलफनामा दाखिल करने और शपथपत्र के तहत जानकारी देने के लिए कहे जाने के पीछे के तर्क पर भी सवाल उठाया। गांधी ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में पिछले साल मतदाता सूची के विश्लेषण का हवाला देते हुए भाजपा और निर्वाचन आयोग के बीच ''मिलीभगत'' के जरिए चुनाव में ''बड़े पैमाने पर आपराधिक धोखाधड़ी'' का दावा किया था। एक दिन बाद, उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग और भाजपा ने लोगों से लोकसभा चुनाव ''चुराने'' के लिए मिलीभगत की तथा कम से कम तीन राज्यों में ''वोट चोरी'' हुई। पवार ने पत्रकारों से कहा, ''वोट चोरी पर राहुल गांधी की प्रस्तुति अच्छी तरह से शोध और दस्तावेजीकरण के बाद दी गई थी। लोगों के बीच (चुनावी प्रक्रिया की शुचिता के बारे में) संदेह को दूर करने के लिए उनके द्वारा उठाई गई चिंताओं की विस्तृत जांच की आवश्यकता है। दूध का दूध और

पानी का पानी होना चाहिए। मुझे लगता है कि जांच से सच्चाई सामने आ जाएगी।'' उन्होंने कहा कि चूंकि निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संस्था है, इसलिए उसे गांधी से अलग से घोषणापत्र नहीं मांगना चाहिए। उन्होंने कहा, '''गांधी ने संसद में भी यही कहा था। निर्वाचन आयोग द्वारा उनसे घोषणापत्र मांगना उचित नहीं है।'' राहुल गांधी द्वारा यह आरोप लगाए जाने के तुरंत बाद कि वोट चोरी लोकतंत्र के लिए एक परमाणु बम है, कर्नाटक और महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने कांग्रेस के प्रमुख से उन मतदाताओं के नाम साझा करने को कहा, जिनके बारे में कांग्रेस नेता ने दावा किया था कि वे मतदाता सूची में ''गलत(तरीके से)'' हैं।

ट्रंप की दबाव की रणनीति के खिलाफ राष्ट्रहित में मोदी सरकार का समर्थन जरूरी : शरद पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने अमेरिकी शुल्क का हवाला देते हुए शनिवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ''दबाव की रणनीति'' के खिलाफ राष्ट्रीय हित में केंद्र सरकार का समर्थन करने का आह्वान किया। पवार ने नागपुर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क (टैरिफ) लगाना दबाव बनाने की रणनीति है। हम भारत के लोगों को देश के हितों की रक्षा के लिए सरकार का समर्थन करना चाहिए।''

कांग्रेस का सिर एयर चीफ मार्शल की टिप्पणियों के बाद शर्म से झुक जाना चाहिए : हिमंत

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह द्वारा की गई टिप्पणी के बाद कांग्रेस को पाकिस्तानी बयान को आगे बढ़ाने के लिए शर्म से सिर झुका लेना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि कांग्रेस को जानबूझकर पाकिस्तान का विमर्श आगे बढ़ाने और सेना की बहादुरी को कम आंकने के लिए शर्म से अपना सिर झुका लेना चाहिए। उन्होंने कहा, ''आज एयर चीफ मार्शल ने दो महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं, जिनसे कांग्रेस पार्टी को सचमुच शर्म आनी चाहिए।'' शर्मा ने कहा कि पहले तो उनके नेताओं ने भारत के नुकसान

पर झूठ बोला, जबकि अब हमारे पास दुश्मन पर हुए हमले के परिमाणात्मक, विस्तृत और अकाट्य सबूत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''दूसरा, उन्होंने (कांग्रेस ने) एक और पाकिस्तान-जनित दुष्प्रचार अभियान चलाया जिसमें दावा किया गया कि मोदी सरकार ने हमारी सेनाओं की कार्रवाई को सीमित कर दिया था।

अंतरिम समिति बांकेबिहारी मंदिर के लिए भूमि खरीद के वास्ते बातचीत कर सकती है : न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि मथुरा के वृंदावन स्थित बांके बिहारी मंदिर के दैनिक कार्यों के प्रबंधन के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित अंतरिम समिति भूमि खरीद के लिए बातचीत सहित धार्मिक स्थल के समग्र विकास की योजना बनाने का प्रयास करेगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि समिति उत्तर प्रदेश सरकार के बांके बिहारी मंदिर न्यास अध्यादेश की वैधता को उच्च न्यायालय में चुनौती देने वाली कार्यवाही के अंतिम परिणाम के अधीन काम करेगा। अध्यादेश प्रतिष्ठित धार्मिक स्थल का प्रशासनिक नियंत्रण सरकार के नियंत्रण में रखने का प्रावधान करता

है। पीठ ने कहा, ''समिति मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र के समग्र विकास की योजना बनाने का प्रयास करेगी, जिसके लिए वह निजी तौर पर आवश्यक भूमि की खरीद के लिए बातचीत कर सकती है। शीर्ष अदालत ने 12 सदस्यीय समिति के कार्य निर्धारित करते हुए कहा, ''यदि ऐसी कोई बातचीत सफल नहीं होती है तो राज्य सरकार को कानून के अनुसार आवश्यक भूमि अधिग्रहण के लिए आगे बढ़ने का निर्देश दिया जाता है। समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अशोक कुमार होंगे जबकि अन्य सदस्यों में सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुकेश मिश्रा, मथुरा के जिला एवं सत्र न्यायाधीश और सिविल न्यायाधीश, मथुरा के जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मथुरा के नगर आयुक्त, मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, अध्यक्ष द्वारा नियुक्त किए जाने वाले एक प्रसिद्ध वास्तुकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का एक प्रतिनिधि और दोनों पक्षों के गोस्वामी समूहों से दो-दो व्यक्ति शामिल होंगे। पीठ ने कहा, यह स्पष्ट किया जाता है कि समिति में गोस्वामियों का प्रतिनिधित्व करने वाले चार सदस्यों के अलावा, किसी अन्य गोस्वामी या सेवायत को मंदिर के महत्वपूर्ण कार्यों के प्रबंधन में किसी भी तरह से हस्तक्षेप या बाधा डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने किश्तवाड़ में आतंकी तंत्र पर बड़े स्तर पर कार्रवाई के तहत 26 घरों की तलाशी ली

जम्मू : जम्मू-कश्मीर पुलिस ने किश्तवाड़ जिले में आतंकी तंत्र के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए शनिवार को हिज्बुल मुजाहिदीन के आतंकवादी मोहम्मद अमीन भट उर्फ ''जहांगीर सरूरी'' के घर समेत 26 घरों की तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भट के अलावा जिन घरों की तलाशी ली गई उनमें अधिकतर पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से सक्रिय आतंकवादियों एवं सीमा पार से हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी करने वाले आतंकवादियों के घर शामिल हैं। इससे एक दिन पहले इसी तरह की छापेमारी किश्तवाड़ के पड़ोसी जिले डोडा में 15 स्थानों पर की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न पुलिस टीम ने किश्तवाड़ जिले में 26 स्थानों पर तलाशी ली। जिन स्थानों पर छापेमारी की गई उनमें भट का घर भी शामिल है। वह 1990 के दशक में प्रतिबंधित

आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन में शामिल हुआ था और उसे सबसे लंबे समय तक बतौर आतंकी सक्रिय रहने वाला माना जाता है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि किश्तवाड़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नरेश सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप सिंह गोरिया की देखरेख में कई स्थानों पर समन्वित औचक छापे मारे गए। उन्होंने कहा, ''किश्तवाड़, चतरू, दच्छन और अथोली में आतंकवादियों और उनके सहयोगियों के ठिकानों और आवासीय परिसरों पर छापेमारी के लिए एक साथ कई पुलिस टीम को तैनात किया गया था।''

भारत खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी पर अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड की मेजबानी करेगा

नयी दिल्ली : भारत 18वें अंतरराष्ट्रीय खगोल एवं खगोल भौतिकी ओलंपियाड (आईओएए) की मेजबानी करेगा जिसमें 64 देशों के 300 से अधिक स्कूली छात्र हिस्सा लेंगे। यह कार्यक्रम 11 से 21 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, मुंबई में होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन (एचबीसीएसई) द्वारा यह आयोजन किया जाएगा जो टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च का एक प्रभाग है। आयोजकों द्वारा जारी बयान के अनुसार, उद्घाटन समारोह 12 अगस्त को जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होगा जिसमें मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार अजय सूद तथा इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन के पूर्व उपाध्यक्ष अजीत केमभावी मौजूद रहेंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन और होमी भाभा नेशनल इंस्टीट्यूट के कुलाधिपति अनिल काकोडकर 21 अगस्त को नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित समापन समारोह की अध्यक्षता करेंगे। आईओएए की परिकल्पना 2006 में स्कूल स्तर पर खगोल विज्ञान में बढ़ती रुचि और इस क्षेत्र के लिए वैश्विक मंच की आवश्यकता को देखते हुए की गई थी। पहला ओलंपियाड 2007 में थाईलैंड के चियांग माई में आयोजित हुआ था। इसके बाद यह प्रतियोगिता एशिया, यूरोप और दक्षिण अमेरिका के विभिन्न देशों में हर साल आयोजित होती रही है। प्रतियोगिता का पाठ्यक्रम सैद्धांतिक, प्रेक्षणीय और आंकड़ा विश्लेषण से जुड़े उच्च स्तरीय प्रश्नों और गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को चुनौती देने के लिए तैयार किया गया है।

भारत धमकियों के आगे नहीं झुकेगा : पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू

नयी दिल्ली : पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापार तनाव के बीच शनिवार को कहा कि भारत अपने रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा तथा बाहरी दबाव के बावजूद अपनी ऊर्जा सुरक्षा की रक्षा करना जारी रखेगा। नायडू ने यहां एम एस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, ''हम ऊर्जा सुरक्षा की रक्षा करते रहेंगे और अपने सामरिक एवं राष्ट्रीय हितों पर अडिग रहेंगे। किसी भी धमकी के आगे झुकने का सवाल ही नहीं उठता। भारत पर धमकियां काम नहीं करेंगी...।'' उन्होंने यह स्पष्ट किया

कि भारत आज ''आत्मनिर्भर'' है, लेकिन 'साझा करना और परवाह करना' की मूल भावना के साथ सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्व उप राष्ट्रपति की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के बाद आई है। ट्रंप ने भारत को देश की मजबूत विकास दर के बावजूद ''मृत अर्थव्यवस्था'' करार दिया था। नायडू ने कहा कि भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और विश्वभर में मान्यता प्राप्त कर रहा है, जबकि कुछ देश इस की प्रगति से ''ईर्ष्या'' कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''वे हमारी प्रगति को पचा नहीं पा रहे हैं। वे अपच की समस्या से पीड़ित हैं।'' पूर्व उपराष्ट्रपति ने रेखांकित किया कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था रैंकिंग में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंच रहा है और विश्वास व्यक्त किया कि किसानों, शोधकर्ताओं और युवाओं के योगदान से देश ''निश्चित रूप से और ऊंचाइयों तक पहुंचेगा''।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को महत्व देने और निर्यात बढ़ाने की जरूरत : गडकरी

नागपुर : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि आज की दुनिया में जो देश 'दादागिरी' कर रहे हैं, वे ऐसा इसलिए कर पा रहे हैं क्योंकि उनके पास प्रौद्योगिकी है और वे आर्थिक रूप से मजबूत हैं। गडकरी ने यहां स्थित वीएनआईटी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारत के निर्यात को बढ़ाने और आयात को कम करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। गडकरी ने कहा, ''अगर हमारे निर्यात और अर्थव्यवस्था की दर बढ़ती है, तो मुझे नहीं लगता कि हमें किसी के पास जाने की जरूरत पड़ेगी। जो लोग 'दादागिरी' कर रहे हैं, वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वे आर्थिक रूप से मजबूत हैं और उनके पास प्रौद्योगिकी है।

नया आयकर विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश किया जायेगा: रीजीजू

नयी दिल्ली : संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण नया आयकर विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश करेंगी जिसमें प्रवर समिति की सिफारिशों को शामिल किया गया है । रीजीजू का यह बयान शुक्रवार को लोकसभा से आयकर विधेयक को वापस लिए जाने पर मीडिया के एक वर्ग में जताई गई आशंकाओं के मद्देनजर आया है। उन्होंने कहा, ''ऐसा माना जा रहा है कि पहले वाले विधेयक को नजरअंदाज करते हुए एक बिल्कुल नया विधेयक लाया जायेगा, जिसके लिए काफी काम किया गया था।'' मंत्री ने स्पष्ट किया कि आशंकाएं निराधार हैं, क्योंकि प्रस्तुत किए जाने वाले नए विधेयक में वे सभी बदलाव शामिल किए जाएंगे, जो प्रवर समिति द्वारा सुझाए गए हैं और जिन्हें सरकार ने स्वीकार कर लिया है। रीजीजू ने कहा कि यह सामान्य संसदीय प्रक्रिया है और यह तब अपनायी जाती है जब लोकसभा में पहले से पेश विधेयक में संशोधन बहुत अधिक हो। भाजपा सदस्य बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली लोकसभा की प्रवर समिति ने आयकर विधेयक पर 285 सुझाव दिए, जिन्हें सरकार ने स्वीकार कर लिया। मंत्री ने कहा कि इस बात को लेकर कोई आशंका नहीं होनी चाहिए कि सोमवार को पेश होने वाला नया आयकर विधेयक अलग होगा।

सरकार ने संस्कृत को लोकप्रिय बनाने के लिए अनेक प्रयास किए हैं: प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को विश्व संस्कृत दिवस पर अपने संदेश में कहा कि उनकी सरकार ने पिछले एक दशक में इस प्राचीन भाषा को लोकप्रिय बनाने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत ज्ञान और अभिव्यक्ति का एक शाश्वत स्रोत है तथा इसका प्रभाव हर क्षेत्र में देखा जा सकता है। मोदी ने कहा कि यह इस भाषा को सीखने और इसे लोकप्रिय बनाने के लिए प्रयासरत सभी लोगों के प्रयासों की सराहना करने का अवसर है। यह दिवस प्रतिवर्ष 'श्रावण पूर्णिमा' के अवसर पर मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने इस संबंध में अपनी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को सामने रखते हुए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना, संस्कृत शिक्षण केंद्रों की स्थापना, इस भाषा के विद्वानों को अनुदान देने और प्राचीन संस्कृत पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए एक मिशन की शुरुआत जैसे विभिन्न उपायों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इससे अनगिनत विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को लाभ हुआ है। हिंदू महाकाव्यों समेत कई प्रभावशाली प्राचीन पुस्तकें संस्कृत में लिखी गई हैं। लेकिन संस्कृत अब ऐसी भाषा बनकर रह गई है जो बड़े पैमाने पर धार्मिक कार्यों में ही सीमित हो गई है।

शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें या माफी मांगें: निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी से कहा

नयी दिल्ली : कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों के मद्देनजर निर्वाचन आयोग ने शनिवार को एक बार फिर नेता प्रतिपक्ष से कहा कि या तो वह अपने दावों के समर्थन में शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें या फिर ''फर्जी'' आरोप लगाने के लिए देश से माफी मांगें। कम से कम तीन राज्यों में कथित वोट चोरी को लेकर गांधी और निर्वाचन आयोग के बीच हुई तीखी बयानबाजी के एक दिन बाद, निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने फिर से कांग्रेस नेता से उनके दावों की पुष्टि के लिए हस्ताक्षरित शपथ पत्र देने पर जोर दिया। एक अधिकारी ने कहा,

''राहुल गांधी को या तो नियमों के अनुसार शपथ पत्र देना चाहिए या अपने झूठे आरोपों के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।'' इस बीच भाजपा ने शनिवार को कहा कि यदि कांग्रेस नेता को निर्वाचन आयोग पर भरोसा नहीं है तो उन्हें नैतिक आधार पर लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा ने वोट चोरी के दावे के बारे में शपथ पत्र न देने के लिए भी गांधी पर निशाना साधा। कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) ने बृहस्पतिवार को राहुल गांधी से उन मतदाताओं के नाम साझा करने को कहा था जिनके बारे में उन्होंने दावा किया है कि उन्हें मतदाता सूचियों में गलत तरीके से शामिल किया गया है या सूची से बाहर रखा गया है। उन्होंने चुनाव प्राधिकारियों द्वारा मामले में ''आवश्यक कार्यवाही'' शुरू किए जाने के लिए हस्ताक्षरित घोषणापत्र भी मांगा था।

भारत-चीन सीमा पर तैनात सुरक्षाकर्मियों के साथ पांच राज्यों की 18 महिलाओं ने मनाया रक्षाबंधन

गंगटोक : देश के सभी प्रमुख धर्मों और जातीय समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाली पांच राज्यों की 18 महिलाओं ने सिक्किम में भारत-चीन सीमा की सुरक्षा कर रहे सुरक्षाकर्मियों की कलाई पर राखी बांधी। सिक्किम, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और असम की महिलाओं ने 14,250 फुट पर स्थित नाथू ला में तैनात सैनिकों और 12,500 फुट पर स्थित लुंगथुंग कैंप में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों की कलाई पर राखी बांधी। महिलाओं ने सबसे पहले गंगटोक में सिक्किम के मुख्य सचिव रवींद्र तैलंग की कलाई पर राखी बांधी। यहां जारी एक बयान में बताया गया कि इसके बाद वे सुरक्षा जवानों की कलाई पर राखी बांधने के लिए सुदूर इलाकों गईं। छत्तीसगढ़ की श्रुति वर्मा ने कहा, ''हम यहां अपने सैनिक भाइयों के प्रति प्रेम और आभार व्यक्त करने आए हैं, जो अपने परिवारों से दूर रहते हैं, ताकि हम शांतिपूर्वक रह सकें।'' कार्यक्रम के आयोजक सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत यादव ने कहा कि भारत-चीन सीमा पर आयोजित रक्षाबंधन समारोह के मूल में राष्ट्रीय एकता और भावनात्मक बंधन की भावना थी। उनके संगठन के 35 लोगों ने गंगटोक के रानीपुल स्थित एसएसबी मुख्यालय में भी रक्षाबंधन मनाया।

ऐतिहासिक उपलब्धि : कश्मीर घाटी में पहली मालगाड़ी सीमेंट लेकर अनंतनाग गुड्स शेड पहुँची

कश्मीर घाटी में मालगाड़ी का आगमन लॉजिस्टिक और आर्थिक विकास के एक नए युग का सूचक

नई दिल्ली : क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए एक ऐतिहासिक विकास में, पंजाब के रूपनगर से पहली बार एक मालगाड़ी सफलतापूर्वक कश्मीर घाटी के अनंतनाग गुड्स शेड तक पहुंची है। यह कश्मीर क्षेत्र को राष्ट्रीय माल ढुलाई नेटवर्क से जोड़ने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सीमेंट से लदी मालगाड़ी के आगमन से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी आएगी और कश्मीर के लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा।उद्घाटन मालगाड़ी में सीमेंट के 21 बीसीएन वैगन लदे थे। लगभग 600 किलोमीटर की यह यात्रा आज 18 घंटे से भी कम समय में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पर पूरी हुई। यह आयोजन कश्मीर क्षेत्र में लॉजिस्टिक और आर्थिक विकास के

एक नए युग का समर्थन करने के लिए इसकी तत्परता को दर्शाता है।इस ट्रेन में परिवहन किए जाने वाले सीमेंट का उपयोग कश्मीर घाटी में सड़कों, पुलों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और आवासीय भवनों के निर्माण सहित महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए किया जाएगा।इस अभूतपूर्व यात्रा के लिए लॉजिस्टिक व्यवस्था को सटीकता के साथ क्रियान्वित किया गया। 7 अगस्त, 2025 को 23:14 बजे उत्तर रेलवे को एक इंडेट भेजा गया, जिसके बाद अगले दिन यानी 8 अगस्त को सुबह 9:40 बजे रेक की व्यवस्था की गई। 8 अगस्त, 2025 को शाम 6:10 बजे लदान पूरा हो गया और ट्रेन शाम 6:55 बजे पंजाब के रूपनगर स्थित गुजरात अंबुजा सीमेंट लिमिटेड (जीएसीएल) सुविधा से रवाना हुई। मालगाड़ी को इलेक्ट्रिक वैग-9 लोकोमोटिव (लोको संख्या 32177, टीकेडी, ट्रिप 08/09) द्वारा ले जाया गया, जो राष्ट्रीय रेल नेटवर्क की आधुनिक क्षमताओं को दर्शाता है। इस पहली मालगाड़ी का आगमन न केवल एक लॉजिस्टिकल उपलब्धि है, बल्कि प्रगति और एकीकरण का एक सशक्त प्रतीक है, जो एक अधिक संबद्ध और समृद्ध कश्मीर घाटी का मार्ग प्रशस्त करता है।

उत्तरकाशी: बचाव अभियान पांचवें दिन भी जारी, 1000 से अधिक लोग हवाई मार्ग के जरिये निकाले गए

उत्तरकाशी : उत्तरकाशी में आपदा प्रभावित धराली के आसपास के इलाकों से लोगों को निकालने के लिए शनिवार को भी कई हेलीकॉप्टर उड़ान भरते नजर आए। बचाव अभियान पांचवें दिन भी जारी रहा और अब तक कुल 1000 से अधिक लोगों को हवाई मार्ग के जरिये निकाला गया है। फिलहाल सड़क संपर्क में सुधार और प्रभावित लोगों को भोजन के पैकेट उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। एसडीआरएफ का श्वान दस्ता मंगलवार को खीर गंगा में हुए विनाशकारी भूस्खलन के बाद लापता लोगों की तलाश में मलबे से भरी जर्जर इमारतों में भटकता दिखा।

भूस्खलन ने धराली बाजार को तहस-नहस कर दिया और होटल और होमस्टे समेत अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को बहा ले गया जिससे कई लोगों की मौत हो गई। एसडीआरएफ श्वान दस्ते और पीड़ितों का पता लगाने वाले 'थर्मल इमेजिंग' कैमरों जैसे अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से क्षतिग्रस्त इमारतों में गहन खोज करके धराली में मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहा है। उत्तराखंड के डीजीपी दीपम सेठ ने प्रभावित इलाकों का मौके पर निरीक्षण करने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''फंसे हुए लोगों को तेजी से निकालने के अलावा, हमें लापता लोगों की खोज और बचाव पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा।'' जिला प्रशासन ने इस त्रासदी में चार लोगों की मौत, दो शव बरामद होने और आपदा के बाद से 49 लोगों के लापता होने की पुष्टि की है। भारतीय वायुसेना के चिनूक और एएई-17 हेलीकॉप्टर के अलावा उत्तराखंड नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के कई हेलीकॉप्टर ने जिले के विभिन्न स्थानों पर शरण लिए हुए लोगों को बचाने के लिए सुबह से ही उड़ानें भरनी शुरू कर दीं।

मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोकने में मदद की थी: ट्रंप का फिर दावा

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष के बाद 'स्थिति को संभाल लिया था', जो एक 'परमाणु युद्ध' में बदल सकता था। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में शुक्रवार को यह भी दावा किया कि इस संघर्ष के दौरान पांच या छह विमान 'मार गिराए गए' थे। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये विमान किस देश के थे-भारत या पाकिस्तान, या फिर वह दोनों देशों के कुल नुकसान की बात कर रहे थे। भारत यह कहता रहा है कि दोनों देशों (भारत-पाकिस्तान) ने अपनी सैन्य कार्रवाई आपसी बातचीत के जरिए रोकी थी और इसमें अमेरिका की कोई मध्यस्थता नहीं थी। ट्रंप ने यह बयान अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव और आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान की मौजूदगी में दिया। ये तीनों नेता एक त्रिपक्षीय हस्ताक्षर समारोह में शामिल हुए, जहां अमेरिका की मध्यस्थता में एक शांति समझौते पर दस्तखत किए गए। ट्रंप ने कहा, 'राष्ट्रपति के तौर पर मेरी सबसे बड़ी आकांक्षा दुनिया में शांति और स्थिरता लाना है। आज का यह समझौता भारत और पाकिस्तान के साथ हमारी सफलता के बाद हुआ है।' अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा, 'वे एक-दूसरे के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ रहे थे, हालात काफी गंभीर हो गए थे। लेकिन जैसा कि आप जानते हैं, एक बड़ा टकराव-शायद परमाणु युद्ध- हो सकता था, लेकिन ठीक पहले दोनों महान नेता एकसाथ आए और हालात को संभाला।' ट्रंप ने कहा कि वह व्यापार के जरिए संघर्ष सुलझा रहे हैं।

एनएसए डोभाल ने रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री से मुलाकात कर सैन्य-तकनीकी संबंधों पर चर्चा की

मॉस्को : राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ द्विपक्षीय सैन्य-तकनीकी संबंधों और रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की। डोभाल द्विपक्षीय ऊर्जा और रक्षा संबंधों पर महत्वपूर्ण वार्ता करने और इस वर्ष के अंत में राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा की तैयारी के लिए रूस में हैं। भारत स्थित रूसी दूतावास के अनुसार, डोभाल और मंतुरोव की मुलाकात शुक्रवार को हुई। दूतावास ने एक पोस्ट में कहा, 'इस बैठक के दौरान भारत-रूस के बीच सैन्य-तकनीकी सहयोग से जुड़े मौजूदा मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही असैन्य विमान निर्माण, धातु उद्योग और रासायनिक उद्योग जैसे अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं को लागू करने पर भी बातचीत हुई।' रूसी सरकार की प्रेस सेवा ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'दोनों पक्षों ने रूस और भारत के बीच सैन्य-तकनीकी सहयोग के सामयिक मुद्दों और नागरिक विमान, धातु विज्ञान और रासायनिक उद्योग समेत अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की।' डोभाल ने बृहस्पतिवार को क्रेमलिन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान, उन्होंने बाहरी दबाव के बावजूद रूस के साथ सभी मोर्चों पर सहयोग जारी रखने की नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई। डोभाल की यात्रा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी करके रूस से तेल खरीदने पर भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। इसके बाद कुल शुल्क 50 फीसदी हो गया है। सूत्रों के अनुसार, डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में भारत आने का निमंत्रण दिया। पुतिन ने आभार के साथ निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर बात की थी और इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और रूस के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी।

नागासाकी में परमाणु हमले की 80वीं बरसी पर स्मृति कार्यक्रमों का आयोजन

नागासाकी : जापान के नागासाकी में अमेरिका द्वारा किए गए परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी पर स्मृति कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और हमले में जीवित बचे लोग इस दिशा में काम कर रहे हैं कि दुनिया के किसी भी हिस्से को इस तरह के हमले का सामना न करना पड़े। जख्मों, भेदभाव और विकिरण से होने वाली बीमारियों की पीड़ा बावजूद हमले से बचे लोगों ने परमाणु हथियारों को खत्म करने के साझा लक्ष्य के लिए सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि शनिवार को जहां एक तरफ इस हमले की बरसी मनाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर दुनिया विपरीत दिशा में जा रही है। अमेरिका ने नौ अगस्त 1945 को नागासाकी पर परमाणु बम गिराया था जिसमें करीब 70,000 लोगों की जान चली गई थी। इससे तीन दिन पहले छह अगस्त को हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम से लगभग 1,40,000 लोग मारे गए थे। नागासाकी पर हमले के छह दिन बाद 15 अगस्त 1945 को जापान ने आत्मसमर्पण कर दिया जिससे द्वितीय विश्वयुद्ध समाप्त हो गया। हमले में बचे और अब बुजुर्ग हो चुके लोगों तथा उनके समर्थकों को अब सिर्फ नयी पीढ़ी से उम्मीद है कि वही परमाणु हथियारों को खत्म करने की दिशा में काम कर सकती है।

व्हाइट हाउस में आर्मेनिया और अजरबैजान ने शांति समझौता किया

वाशिंगटन : आर्मेनिया और अज़रबैजान के नेताओं ने दशकों से चले आ रहे संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव और आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान ने शुक्रवार को एक दूसरे से हाथ मिलाया और इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बीच में थे। जैसे ही दोनों ने हाथ मिलाया तो बीच में बैठे ट्रंप ने उनके हाथ थाम लिए। दक्षिण काकेशस के दोनों देशों ने एक-दूसरे और अमेरिका के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिससे प्रमुख परिवहन मार्ग पुनः खुल जाएंगे, साथ ही अमेरिका को इस क्षेत्र में रूस के घटते प्रभाव का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस समझौते में एक प्रमुख पारगमन गलियारा बनाने का समझौता शामिल है, जिसे अंतरराष्ट्रीय शांति और समृद्धि के लिए 'ट्रंप रूट' नाम दिया जाएगा। इसके बाद ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा कि यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है, लेकिन मैंने इसके लिए नहीं कहा था। ट्रंप कोशिश में हैं कि उन्हें शांतिदूत के रूप में पहचाना जाए और उन्होंने इस बात को भी नहीं छिपाया है कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत है। आर्मेनिया और अज़रबैजान के नेताओं ने कहा कि यह सफलता ट्रंप और उनकी टीम के कारण संभव हुई। पाशिनयान ने समझौते को एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताते हुए कहा, हम अतीत की तुलना में एक बेहतर कहानी लिखने के लिए आधारशिला रख रहे हैं। अलीयेव ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने छह महीने में चमत्कार कर दिखाया।'

बांग्लादेश में फरवरी 2026 के पहले सप्ताह में चुनाव होगा: निर्वाचन आयोग

ढाका : बांग्लादेश के चुनाव निकाय प्रमुख ने शनिवार को कहा कि आम चुनाव फरवरी 2026 के पहले सप्ताह में होंगे, लेकिन इसे स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से सुनिश्चित कराया जाना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। हालांकि, मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) एएमएम नासिर उद्दीन ने कहा कि कार्यक्रम की घोषणा से दो महीने पहले सही तारीख का खुलासा किया जायेगा। सरकारी बांग्लादेश संघबाद संस्था (बीएसएस) ने उत्तर-पश्चिमी रंगपुर जिले में एक समारोह में उद्दीन के हवाले से कहा, 'लोगों का चुनाव प्रणाली, निर्वाचन आयोग और चुनावी प्रक्रिया में शामिल प्रशासनिक तंत्र पर से विश्वास उठ गया है।' हालांकि, उद्दीन ने कहा कि उनका कार्यालय 'खोए हुए भरोसे को बहाल करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है।' सीईसी की यह टिप्पणी अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस द्वारा यह घोषणा किए जाने के चार दिन बाद आई है कि चुनाव अगले साल फरवरी में होंगे। यूनुस ने यह घोषणा पांच अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से बाहर होने का एक वर्ष पूरा होने के मौके पर की थी। उद्दीन ने आशंका जताई कि मतदाताओं में उदासीनता बढ़ रही है क्योंकि 'पिछले कुछ वर्षों में लोग मतदान प्रक्रिया से विमुख हो गए हैं' लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि 'जब तक निर्वाचन आयोग अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सचेत रहेगा, तब तक सभी कार्यवाही में नियमों और कानूनों का सख्ती से पालन किया जायेगा।' मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि चुनाव की सही तारीख का खुलासा कार्यक्रम की घोषणा से दो महीने पहले किया जाएगा जबकि उनका कार्यालय विभिन्न चुनौतियों के बावजूद कम समय सीमा के भीतर चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है।

यूक्रेनी क्षेत्र सौंपा जाना है नामंजूर, अमेरिका-रूस वार्ता में यूक्रेन की भागीदारी जरूरी: जेलेंस्की

कीव: यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच प्रस्तावित बैठक को खारिज करते हुए शनिवार को चेताया कि अगर कोई शांति समझौता कीव को शामिल किए बिना किया गया तो यह समाधान बेमानी होगा। अलास्का में शुक्रवार को होने वाली बैठक को लेकर संभावना जताई जा रही है कि इसमें कुछ सकारात्मक निष्कर्ष निकल सकता है। टेलीग्राम पर एक बयान में जेलेंस्की ने कहा कि संविधान में निहित यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता से कोई समझौता नहीं हो सकता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थायी शांति के लिए वार्ता में यूक्रेन को भी शामिल किया जाना चाहिए। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन 'रूस को उसकी करतूतों के लिए कोई इनाम थोड़े ही देगा' और 'यूक्रेनवासी अपने जमीन को जबरन कब्जे करने वाले को नहीं देंगे।' यूक्रेन की यह चिंता है कि पुतिन और ट्रंप की बैठक से कीव और यूरोपीय हितों को नजरअंदाज किया जा सकता है। इस पर जेलेंस्की ने कहा, 'यूक्रेन को शामिल किए बिना जो भी हल निकाले जाएंगे, वे शांति के खिलाफ होंगे। ऐसे फैसलों से कुछ नहीं मिलेगा। ये बेमानी समाधान हैं, जो कभी काम नहीं करेंगे।' ट्रंप ने कहा कि वह यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने पर चर्चा के लिए अगले शुक्रवार को अलास्का में रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मिलेंगे। पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने शनिवार को क्रेमलिन के समाचार चैनल पर जारी एक बयान में कहा, 'दोनों देशों के नेताओं के बीच इस महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन का अलास्का में होना पूरी तरह से तर्कसंगत लगता है।' उम्मीद की जा रही है कि इस मुलाकात से सकारात्मक निष्कर्ष निकल सकते हैं। हालांकि, पिछले कुछ हफ्तों से ट्रंप इस बात को लेकर निराशा व्यक्त कर रहे हैं कि संघर्ष को रोकने के लिए ज्यादा प्रयास नहीं हो रहे हैं। पुतिन के साथ इस संभावित मुलाकात को 'बहुप्रतीक्षित बैठक' करार देते हुए ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा कि यह बैठक 15 अगस्त को अलास्का में होगी। उन्होंने कहा कि ज्यादा जानकारी बाद में दी जाएगी।

चेन्नई शतरंज : एरिगेसी तीसरे दौर के बाद दूसरे स्थान पर, जर्मन ग्रैंडमास्टर कीमर शीर्ष पर

चेन्नई : भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी शनिवार को अमेरिकी ग्रैंडमास्टर रे रॉबसन को हराकर क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स के तीसरे दौर के बाद अकेले दूसरे स्थान पर बने हुए हैं जबकि अमेरिकी ग्रैंडमास्टर रे रॉबसन शीर्ष पर काबिज हैं। मास्टर्स वर्ग में राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में छह दौर और बाकी हैं। दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी एरिगेसी के 2.5 अंक हैं जबकि कीमर क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट में कार्तिकेयन मुरली के खिलाफ एक और जीत हासिल करने के बाद तीन अंक के परफेक्ट स्कोर के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। एक अन्य भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने हमवतन निहाल सरीन के खिलाफ एक महत्वपूर्ण जीत के साथ वापसी की जबकि अमेरिकी ग्रैंडमास्टर अवॉन्डर लियांग ने नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर जॉर्डन वान फॉरीस्ट को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ियों में से एक वी प्रणव ने शीर्ष वरीयता प्राप्त अनीश गिरी को ड्रॉ पर रोककर प्रभावित किया। चैलेंजर्स वर्ग में अभिमन्यु पुराणिक ने हर्षवर्धन जीबी पर जीत के साथ अपनी बढ़त बरकरार रखी जबकि एम प्रणेश ने पी इनियान को हराया। लियोन ल्यूक मेंडोंका ने आर वैशाली को हराया जबकि अधिबान भास्करन ने डी हरिका के साथ अंक बांटे। आर्यन चोपड़ा और दिप्तायन घोष ने भी ड्रॉ खेला।

भारत के रमेश बुधियाल ने एशियाई सर्फिंग के फाइनल में जगह पक्की की

चेन्नई : भारत के रमेश बुधियाल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप के ओपन पुरुष फाइनल में प्रवेश किया। रमेश ने दिन की शुरुआत क्वार्टरफाइनल हीट रेस में 14.84 अंक के साथ शीर्ष स्थान से की। वह फिलीपींस के नील सांचेस (12.80 अंक) से आगे रहे। सेमीफाइनल में रमेश ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए 11.43 अंक हासिल किए और इंडोनेशिया के पजार एरियाना 13.83 के बाद दूसरे स्थान पर रहे। इस तरह किसी भारतीय सर्फर ने पहली बार फाइनल में जगह पक्की की। भारत के किशोर कुमार भी सेमीफाइनल में पहुंचे लेकिन 8.03 अंक के साथ हमवतन रमेश, एरियाना और चीन के शिदोंग वू (9.10) से पीछे चौथे स्थान पर रहे। तीसरे भारतीय सर्फर डी श्रीकांत ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और क्वार्टर फाइनल में कोरिया के कनोआ हीजे (10.94 अंक) को हराया, लेकिन हीट स्कोर 10.90 होने के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। अंडर-18 बालक वर्ग में हरीश पी और आद्या सिंह के बाहर होने के साथ ही भारतीय अभियान समाप्त हो गया, जबकि बालिका वर्ग में धमयंती श्रीराम भी क्वार्टर फाइनल में हार गईं।

ऑस्ट्रेलिया ए ने दूसरे महिला टी20 में भारत ए को 114 रन से हराया

मैकॉय (ऑस्ट्रेलिया) : तेज गेंदबाज किम गार्थ की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए को दूसरे अनधिकृत टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 114 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। भारत ए ने टॉस जीता और क्षेत्ररक्षण का फैसला किया, लेकिन यह सही साबित नहीं हुआ और ऑस्ट्रेलिया ए की टीम चार विकेट पर 187 रन बनाने में सफल रही। उसकी पारी का आकर्षण कप्तान एलिसा हीली की 44 गेंद पर खेली गई 70 रन की पारी थी। इसके जवाब में बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम किसी भी समय लक्ष्य तक पहुंचाने की स्थिति में नहीं दिखी और 15.1 ओवर में 73 रन पर आउट हो गई। हीली की ताहलिया विल्सन (35 गेंदों पर 43 रन) के साथ 95 रन की साझेदारी से ऑस्ट्रेलिया की टीम ने मजबूत नींव रखी। इन दोनों के अलावा अनिका लियरॉयड (35) और कोर्टनी वेब (नाबाद 26) ने भी उपयोगी योगदान दिया।

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को पारी और 359 रन से रौंदकर रिकॉर्ड जीत दर्ज की

बुलावायो (जिम्बाब्वे): न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां दूसरे टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे को पारी और 359 रन से रौंदकर अपनी अब तक की सबसे बड़ी टेस्ट जीत दर्ज करने के साथ श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। जिम्बाब्वे की टीम 476 रनों से पिछड़ रही थी और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने तीसरे दिन पहले सत्र में दूसरी पारी में 117 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड ने पहली पारी तीन विकेट पर 601 रन पर घोषित की थी और जिम्बाब्वे ने पहली पारी में 125 रन बनाए थे। पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज जकारी फाउलक्स ने पहली पारी में चार विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 37 रन देकर पांच विकेट लिए। वह अपने यादगार पदार्पण टेस्ट में 10 विकेट लेने से एक विकेट से चूक गए। लेकिन फिर भी फाउलक्स का मैच 75 रन देकर नौ विकेट झटकने का प्रदर्शन टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले न्यूजीलैंड के गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा और उन्होंने पिछले साल हैमिल्टन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विल ओरूर्के के एक मैच में 93 रन देकर नौ विकेट लेने के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया। तेज गेंदबाज मैट हेनरी (16 रन देकर दो विकेट), जैकब डफी (28 रन देकर दो विकेट) और मैथ्यू फिशर (22 रन देकर एक विकेट) ने जिम्बाब्वे को 28.1 ओवर में श्रृंखला में उसके न्यूनतम स्कोर पर आउट कर दिया। जिम्बाब्वे के लिए सिर्फ दो बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंच सके। तीसरे नंबर के बल्लेबाज निक वेल्च 71 गेंद पर 47 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान क्रेग इर्विन (17) दोहरे अंक तक पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन के अंत में तीन विकेट पर 601 रन के विशाल स्कोर पर अपनी पहली पारी घोषित की थी जिसमें रचिन रविंद्र (नाबाद 165) और हेनरी निकोल्स (नाबाद 150) ने चौथे विकेट के लिए 256 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी की। डेवोन कॉनवे (153) ने भी दो साल से ज्यादा समय बाद अपना पहला टेस्ट शतक बनाया। यह जिम्बाब्वे के खिलाफ न्यूजीलैंड का अब तक का सर्वोच्च स्कोर है। न्यूजीलैंड की टेस्ट मैचों में पिछली सर्वश्रेष्ठ जीत भी 2012 में जिम्बाब्वे के खिलाफ ही थी जब नेपियर में उसने पारी और 301 रन से जीत दर्ज की थी। यह इस साल जिम्बाब्वे की टेस्ट मैचों में लगातार छठी हार भी थी। न्यूजीलैंड ने पिछले हफ्ते इसी मैदान पर पहला टेस्ट तीन दिन के अंदर नौ विकेट से जीता था। यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा नहीं है। लेकिन न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे का अपना दौरा जीत के साथ समाप्त किया क्योंकि उसने जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के साथ टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला भी जीती थी।

भारत की पहली विश्व महाद्वीपीय टूर कांस्य प्रतियोगिता में आकर्षण होंगे अन्नू, कुजूर, श्रीशंकर

भुवनेश्वर : घरेलू प्रबल दावेदार अन्नू रानी, अनिमेष कुजूर और मुरली श्रीशंकर रविवार को कलिंग स्टेडियम में भारत की पहली विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर कांस्य स्तरीय प्रतियोगिता में देश की चुनौती का नेतृत्व करेंगे। इस एक दिवसीय प्रतियोगिता में 15 से अधिक देशों के 150 से अधिक एथलीट भाग ले रहे हैं जिसकी पुरस्कार राशि 25,000 अमेरिकी डॉलर है। अनुभवी भाला फेंक खिलाड़ी और 2023 एशियाई खेलों की चैंपियन अन्नू रानी इस महीने की शुरुआत में पोलैंड में 62.59 मीटर की दूरी तय करने से उत्साहित होंगी। 'रोड टू टोक्यो विश्व चैंपियनशिप' सूची में 30वें स्थान पर काबिज उत्तर प्रदेश की 32 वर्षीय यह खिलाड़ी भुवनेश्वर की परिचित परिस्थितियों में फिर से 60 मीटर की दूरी तय करने के लिए आश्वस्त हैं। अन्नू ने शनिवार को कहा, 'मुझे लगता है कि पोलैंड में कॉन्टिनेंटल टूर के दौरान 62.59 मीटर का थ्रो सही समय पर लगा। मैं अपने प्रदर्शन में कुछ और दूरी बढ़ाना चाहूंगी। मैं भुवनेश्वर के स्थानीय मौसम की परिस्थितियों की आदी हूं।' सितंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए योग्य शीर्ष 36 भाला फेंक खिलाड़ियों में से 11 ने अब तक महिला भाला फेंक स्पर्धा में 64 मीटर का स्वतः क्वालीफिकेशन मानक हासिल कर लिया है। बचे 25 एथलीट विश्व एथलेटिक्स योग्यता दिशानिर्देशों के अनुसार विश्व रैंकिंग कोटा प्रणाली के माध्यम से आएंगे। जापान में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए एथलीटों के लिए अपनी स्पर्धा में स्वतः क्वालीफिकेशन मानक या अंक हासिल करने की अंतिम तिथि 24 अगस्त है। वे विश्व रैंकिंग कोटा प्रणाली के माध्यम से भी विश्व चैंपियनशिप के लिए टिकट प्राप्त कर सकते हैं। राष्ट्रीय 200 मीटर रिकॉर्ड धारी अनिमेष कुजूर (20.32 सेकंड) विश्व रैंकिंग में 42वें स्थान पर हैं और शीर्ष 48 धावक तोक्यो के लिए क्वालीफाई कर रहे हैं। इस 21 वर्षीय धावक को उम्मीद है कि घरेलू ट्रैक उन्हें 20.16 सेकंड के क्वालीफाइंग मानक के करीब ले जाएगा। भुवनेश्वर में कॉन्टिनेंटल टूर की अपनी योजनाओं के बारे में कुजूर ने कहा, 'मैं रविवार को घरेलू मैदान पर बढ़त हासिल करने के लिए उत्सुक हूं। रविवार को मेरा ध्यान केवल 200 मीटर पर होगा। '

न्यूज अपडेट

बोडोलैंड एफसी जीता, पंजाब एफसी डूरंड कप से बाहर

कोकराझार (असम) : कोलंबियाई फुटबॉलर रॉबिन्सन ब्लैंडन रेंडन के दूसरे हाफ में किए गए गोल की बदौलत बोडोलैंड एफसी ने शनिवार को यहां पंजाब एफसी को 1-0 से हराकर डूरंड कप से बाहर कर दिया। इस जीत से स्थानीय टीम टूर्नामेंट के ग्रुप डी में शीर्ष पर भी पहुंच गई। पंजाब एफसी ने ग्रुप चरण का अभियान दो मैच में चार अंकों के साथ समाप्त किया जबकि बोडोलैंड एफसी के दो मैचों में छह अंक हैं।

अहलावत संयुक्त 25वें स्थान पर, शुभंकर कट से चूके

एबेरडीन (स्कॉटलैंड) : भारतीय गोल्फर वीर अहलावत ने यहां डीपी वर्ल्ड टूर पर नेक्सो चैंपियनशिप के दूसरे दौर में इवन पार के कार्ड के साथ कट हासिल किया। अहलावत ने अपने पहले दौर के 73 के कार्ड में 72 के कार्ड का इजाफा किया जिससे दो दिन में उनका स्कोर एक ओवर हो गया। इससे वह संयुक्त 25वें स्थान पर हैं। अहलावत ने दूसरे दौर में तीन बर्डी लगाईं और तीन बोगी कर बैठे। वहीं साथी भारतीय शुभंकर शर्मा (75-80) कट हासिल करने से चूक गए। वह लगातार 10वें टूर्नामेंट में कट से चूक गए।

हरियाणा, छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तर प्रदेश जूनियर महिला हॉकी राष्ट्रीय सेमीफाइनल में

काकीनाडा (आंध्र प्रदेश) : हरियाणा, छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तर प्रदेश ने शनिवार को यहां हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के डिवीजन ए के सेमीफाइनल में जगह बनाई। हरियाणा ने दिन के पहले क्वार्टर फाइनल में ओडिशा पर 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। उसकी तरफ से काजल, सुप्रिया, कप्तान शशि खासा और सादी ने गोल किए। ओडिशा के लिए एकमात्र गोल अमीषा एक्का ने किया। छत्तीसगढ़ ने मध्य प्रदेश के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 2-1 से जीत हासिल की, जबकि चार क्वार्टरों के निर्धारित समय में उनका मुकाबला 1-1 से बराबर रहा था। झारखंड ने पंजाब को 3-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश ने महाराष्ट्र पर 2-1 से जीत दर्ज की।

गंभीर की क्यूरेटर के साथ बहस पर हेडन ने कहा, उन्हें बेहतर भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए था

मेलबर्न : आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच से पहले ओवल के क्यूरेटर के साथ तीखी बहस के दौरान अपनी भाषा में नरमी बरत सकते थे। पांचवें टेस्ट से पहले गंभीर की ओवल के मुख्य क्यूरेटर ली फोर्टिस के साथ तीखी बहस हुई थी और उन्हें मैदानकर्मियों पर उंगली उठाते हुए यह कहते सुना गया था कि 'आप हमें यह नहीं बता सकते कि हमें क्या करना चाहिए।' हेडन ने 'ऑल ओवर बार द क्रिकेट' कार्यक्रम में कहा, 'वे (क्यूरेटर) पिचों को लेकर बचाव की मुद्रा में हो सकते हैं। इंग्लैंड में यह आम बात है। यह उनका अपना मैदान है और हम अंतिम टेस्ट मैच खेलने जा रहे हैं। ऐसे में वे गौतम गंभीर के लिए मुश्किलें खड़ी करने की कोशिश करेंगे।' हेडन ने कहा, 'लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें अपनी भाषा में थोड़ा नरमी बरतनी चाहिए थी। वह बेहतर भाषा का इस्तेमाल कर सकते थे। लेकिन वास्तविकता यह है कि उनकी टीम सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट मैच से पहले अभ्यास करना चाहती थी।' चौथे टेस्ट के बाद इंग्लैंड श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था और भारत को पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी को ड्रॉ कराने के लिए जीत की दरकार थी। भारत आखिर में यह मैच छह रन से जीत कर श्रृंखला बराबर करने में सफल रहा था।

वर्ष 10, पूर्णांक 3307 अंक 117, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in